TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | कटिंग की नींव पर खड़ी है अवैध धंधे की इमारत (पेज-3) | पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-7 | मूल्य ₹7 | रविवार | दिनांक- 5.07.2026

खेरागढ़ का 'पान' 18 साल बाद पड़ा भारी!

पूर्व चेयरमैन समेत 18 'सूरमाओं' को 8 साल की जेल

विशेष संवाददाता।

आगरा। 'कानून के हाथ लंबे होते हैं' वाली घिसी-पिटी विधिक कहावत आगरा की अदालत ने सच कर दिखाई है। वर्ष 2008 में एक पान की दुकान से भड़के जिस बवाल ने पूरे खेरागढ़ थाने को फूंक डाला था, उसका विधिक हिसाब पूरे 18 साल बाद बराबर हो गया है।

पूर्व चेयरमैन अनिल गर्ग उर्फ अन्नी समेत 18 उपद्रवियों को विधिक रूप से दोषी पाते हुए माननीय अदालत ने 8-8 साल के कठोर कारावास की 'ठंडी हवा' खाने का विधिक फरमान सुना दिया है। सरेआम खाकी को चुनौती देने, विधिक सरकारी कार्य में बाधा डालने और थाने में 'सिंघम' बनने की कोशिश करने वाले इन नेताओं पर 10-10 हजार का जुमार्ना भी ठुका है, अदालत ने कहा है पैसा नहीं दिया, तो महीने का विधिक बोनस (अतिरिक्त जेल) मुफ्त मिलेगा!

पूर्व चेयरमैन अनिल गर्ग

गौरतलब है कि विधिक और प्रशासनिक हलकों में आज हलचल तेज है, क्योंकि 18 साल पुराना वो 'चर्चित जिन्न' फिर बाहर आ गया है जिसने 2008 में आगरा की विधिक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। मामला था खेरागढ़ थाने पर हुआ हमला, तोड़फोड़ और आगजनी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-15 राजीव कुमार पालीवाल की माननीय अदालत ने साफ विधिक संदेश दे दिया है कि न्याय की चक्की भले ही धीरे चलती है, लेकिन जब पीसती है तो बड़े-बड़े रसूखदारों का चश्मा उतर जाता है।

फ्लैशबैक 2008: एक 'पान', लड़की पर थूक और नेताजी की विधिक 'एंट्री'

कहानी शुरू होती है वर्ष 2008 के वार्षिक होली मेले से, जहाँ एक महाशय ने विधिक मर्यादाओं को ताक पर रखकर एक युवती पर पान थूक दिया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मजनू को विधिक रूप से अंदर कर दिया। बस, यहीं से शुरू हुई असली विधिक नौटंकी! तत्कालीन पूर्व चेयरमैन अनिल गर्ग उर्फ अन्नी को लगा कि खाकी को धौंस दिखाना उनका विधिक अधिकार है। वे अपने समर्थकों की भारी पलटन लेकर थाने पहुंच गए और पुलिस पर आरोपी को छोड़ने का विधिक व राजनीतिक दबाव बनाने लगे। जब विधिक खाकी ने झुकने से इनकार कर दिया, तो नेताजी के 'अहम' को ठेस लग गई।

थाने को बना दिया था कुरुक्षेत्र, फूंक दी थीं गाड़ियां

फिर क्या था? नेताजी के इशारे पर भीड़ उग्र हो गई। मर्यादा और कानून को पैरों तले कुचलते हुए सैकड़ों लोगों ने थाने पर विधिक धावा बोल दिया। जमकर पत्थर चले, तोड़फोड़ हुई और सरकारी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। कई पुलिसकर्मी विधिक ड्यूटी करते हुए लहूलुहान हो गए थे। तब हालात काबू करने के लिए पीएसी और भारी विधिक बल तैनात करना पड़ा था। तत्कालीन थाना प्रभारी विक्रम सिंह की विधिक तहरीर पर 59 नामजद और 300 अज्ञात उपद्रवियों पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

18 साल की 'तपस्या' और 7 गवाहों का विधिक प्रहार

पुलिस ने विधिक विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट रूम में अभियोजन पक्ष ने वो 7 विधिक गवाह पेश किए, जिन्होंने इन सूरमाओं के दावों की विधिक धज्जियां उड़ा दीं। सबूतों और विधिक दलीलों के आगे माननीय पूर्व चेयरमैन और उनके 18 साथी चारों खाने चित हो गए। अदालत ने साफ कर दिया कि भीड़ की आड़ में विधिक राज को चुनौती देने वालों का ठिकाना सिर्फ और सिर्फ जेल की विधिक सलाखें हैं। साक्ष्यों के अभाव में कुछ लोग बरी जरूर हुए हैं, लेकिन जो 18 मुख्य 'खलनायक' थे, उन्हें अब 8 साल तक जेल की रोटियां तोड़नी होंगी। खेरागढ़ के बाजार में आज इस फैसले की विधिक गूंज साफ सुनाई दे रही है और लोग दबी जुबान में कह रहे हैं—चाय पर चर्चा तो बहुत सुनी थी, लेकिन 'पान पर ये विधिक पर्चा' सीधे जेल ले जाएगा, ये किसी ने नहीं सोचा था!

ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान नहीं, बेचने से पहले टेस्टिंग कराईः सरकार

सुप्रीम कोर्ट में कहा था- अभी एक्सपेरिमेंट, रिजल्ट अगले साल पता चलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच शनिवार को सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस और इससे गाड़ियों को कई नुकसान नहीं है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसकी टेस्ट कर चुकीं हैं।

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था।

अब इस प्रोग्राम के तहत पेट्रोल में 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग (ई20) की जा रही है। 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग के टारगेट को तय समय से पांच साल पहले यानी दिसंबर 2025 तक ही पूरा कर लिया गया है।

हालांकि सरकार ने 4 दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा।

टेस्टिंग में गाड़ियों को नुकसान पहुंचने का कोई सबूत नहीं मिला

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड की पूर्व CMD वर्तिका शुक्ला के अलावा बजाज ऑटो के सर्कल हेड मनप्रीत सिंह, टीवीएस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत कृष्णन मौजूद रहे।

उनके साथ टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड विक्रम गुलाटी, मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती, हुंडई इंडिया के पुनीत आनंद और हीरो मोटो के आशुतोष वर्मा भी शामिल हुए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः सोने से मढ़ी रामचरितमानस गायब होने का दावा

पूर्व केंद्रीय गृह सचिव ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी, अयोध्या।

रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बीच पूर्व केंद्रीय गृह सचिव एवं पूर्व आईएएस अधिकारी लक्ष्मी नारायण ने राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक चैनल को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने दावा किया है कि अप्रैल 2024 में ट्रस्ट को करीब पांच करोड़ रुपये मूल्य की सोने की मढ़ी रामचरितमानस भेंट की थी, लेकिन उसकी अब तक रसीद नहीं दी गई। उनका आरोप है कि कुछ महीने बाद वह रामचरितमानस मंदिर परिसर से गायब हो गई।

लक्ष्मी नारायण के अनुसार उन्होंने आठ अप्रैल 2024 को लगभग सवा क्विंटल वजन की विशेष रामचरितमानस श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपी थी। इस ग्रंथ के करीब 1000 पन्नों पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ी हुई थी। उनका दावा है कि इसकी अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये थी।

रामचरितमानस को मंदिर में सुरक्षित रखा जाए

आरोप लगाया कि अयोध्या पहुंचने पर उन्हें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मिलने के लिए करीब नौ घंटे इंतजार करना पड़ा। उन्होंने हाथ जोड़कर अनुरोध किया कि उनकी जीवनभर की पूंजी से तैयार कराई गई रामचरितमानस को मंदिर में सुरक्षित रखा जाए। आरोप है कि इस पर उन्हें जवाब मिला कि ट्रस्ट के पास अनेक लोगों के आभूषण और अन्य भेंट आती हैं और सभी का प्रदर्शन संभव नहीं है।

चंपत राय से भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला

पूर्व आईएएस अधिकारी का कहना है कि तीन-चार महीने बाद जब उन्होंने रामचरितमानस के बारे में जानकारी ली तो वह मंदिर में नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा और ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव से भी संपर्क किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उनका आरोप है कि दोबारा अयोध्या जाकर चंपत राय से मिलने पर भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

नागरिक देवो भवः' पीएम का संदेशः भारत का राष्ट्रहित सर्वोपरि, अफवाह फैलाने वाले निराश

एजेंसी, जोधपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया और संशोधित उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना लॉन्च की। इसके साथ ही उन्होंने ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स से रिफाइनरी प्रोडक्शन टैंकरों को हरी झंडी दिखाई। इस कॉम्प्लेक्स को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के तौर पर विकसित किया गया है और प्रधानमंत्री मोदी ने इसी कार्यक्रम में इसे राष्ट्र को समर्पित किया था।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस रिफाइनरी को देश को समर्पित किया गया है। ये रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के रोजगार का माध्यम बनेगी। मैं राजस्थान के युवाओं को इस रिफाइनरी की विशेष तौर पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं को सिर्फ शिलान्यास करके नहीं छोड़ती। बल्कि हम उन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भी दिन-रात एक कर देते हैं। दो महीने पहले यहां जो हादसा हुआ, उसके बाद इतनी तेजी से काम पूरा कर लेना भी परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आप सबने दिखा दिया है कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी और अप्रत्याशित क्यों न हो, नया भारत अपने संकल्पों से न तो पीछे हटता है और न ही अपनी रफ्तार कम करता है।

- 'युद्ध के बीच भी देश में नहीं आने दिया ऊर्जा संकट'
- भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई
- जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल और करीब 79,459 करोड़ रुपये की लागत से विकसित पचपदरा रिफाइनरी का किया लोकार्पण

मोदी ने कहा कि आज ही, जोधपुर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन किया गया है। ये मारवाड़ में पर्यटन, व्यापार और रोजगार को नई गति देगा। इस कार्यक्रम में जो लोग जोधपुर से जुड़े हैं, मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। जोधपुर से ही आज उड़ान योजना के नए चरण की भी शुरूआत हुई है। इसके तहत छोटे-छोटे शहरों और दूर-दराज के क्षेत्रों को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। साथ ही अब जयपुर में मेट्रो का विस्तार भी होने जा रहा है। शेखावाटी क्षेत्र के जल संकट को दूर करने का इंतजार भी अब खत्म होने जा रहा है। मैं इन सभी प्रोजेक्ट्स के लिए राजस्थान के मेरे भाई-बहनों को बहुत बहुत बधाई देता हूं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज राजस्थान की इस धरती से मैं देश के एक और सामर्थ्य की चर्चा करूंगा। आप भी देख रहे हैं कि पश्चिमी एशिया में युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है, हर देश त्रस्त है। इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया। बड़े-बड़े देश आज ईंधन की किल्लत से जूझ रहे हैं। लेकिन, 21वीं सदी के इस सबसे बड़े ऊर्जा संकट पर 21वीं सदी के नए भारत की इच्छाशक्ति और प्रयास भारी पड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हर स्तर पर सही फैसले लिए... संकट का समय रहते सटीक आंकलन किया... प्रभावी रणनीति बनाई... भारत के संसाधनों का संतुलित प्रयोग किया। भारत की डिप्लोमैटिक पावर का सकारात्मक इस्तेमाल किया। और तब जाकर भारत सकंट से उबर पाया है।

मोदी ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थी, तब किस स्केल पर दिनरात काम हो रहा था, किस तरह स्थिति को संभाला जा रहा था। वो मेहनत, वो प्रयास, वो धैर्य, नीतिगत और कूटनीतिक स्तर पर उठाया गया एक-एक संवेदनशील कदम कभी न कभी इतिहास लिखेगा। ये सब अभूतपूर्व है। बहुत अफवाएं फैलाई गई, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए। लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वो सफल नहीं हो पाए। दूर-सुदूर इलाकों में भी छोटी मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन सप्लाई में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई। अप्रैल से जून के बीच ही अकेले डीजल-पेट्रोल में 75 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा कंपनियों को सहना पड़ा। और इस घाटे को पूरा करने की जिम्मेदारी सरकारी खजाने से उठाई गई। हमने प्रति लीटर 10 रुपये की एक्साइज ड्यूटी भी कम की और बहुत ज्यादा बोझ जनता पर नहीं पड़ने दिया।

उन्होंने कहा कि युद्ध के इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। जब ये संकट शुरू हुआ था, उससे पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था। लेकिन संकट के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ हमारे अच्छे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए। युद्ध के दौरान ही भारत 40 से ज्यादा देशों से ईंधन मंगाने लगा। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारे लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है। नागरिक देवो भवः हमारा मंत्र है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो लोग भारत को असफल होते देखना चाह रहे हैं, इसके लिए भविष्यवाणी भी करने लग गए थे। वो आज निराशा की गर्त में पड़े होंगे।उन्होंने कहा कि आज, मैं 140 करोड़ देशवासियों का आभार प्रकट करता हूं... उन्हें धन्यवाद कहता हूं। जिस तरह, वो इस मुश्किल समय में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे। जिस तरह, देशवासियों ने अफवाह, डर और भ्रम फैलाने वालों का सामना किया। देश में अस्थिरता फैलाने की साज़िशों को नाकाम किया... देश उसी विश्वास के भरोसे आगे बढ़ पाया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः हर काम में श्रेय लेने वाले इस बार सामने क्यों नहीं आ रहे?ः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आखिरकार सुरंगजीवियों को बाहर आना ही पड़ा क्योंकि अब अपयश का पानी सुरंग में गले तक भर गया है। फिर भी 140 करोड़ देशवासी और दुनियाभर के चंदा-दान देने वाले सनातनी पूछ रहे हैं कि हर काम में आगे रहने वाले, इस घोर-गंभीर मसले पर खुद सामने क्यों नहीं आए, अपने से पीछे वाले को आगे क्यों कर दिया, क्या इसमें भी ये सोचकर साजिश की गई है कि महापाप के दोष और जनाक्रोश से खुद को बचा लो और दूसरे को फंसाकर उससे सफाई दिलवा दो। षड्यंत्रजीवी तो आपस में भी एक-दूसरे की मुखबिरी कर रहे हैं।

शनिवार को अखिलेश ने कहा कि जो शातिर सेंध लगाकर, बोरी भरकर सुरंग के रास्ते बहुत दूर निकल गये हैं, वो 'असली पापी' याद रखें, जहां भूमिगत मार्ग खत्म होगा, उस अगले छोर पर 'सत्य' उनके पापों की सजा देने के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। इन्हें न अयोध्या क्षमा करेगा, न देश, न वो परम प्रभु, जिसके खजाने को इन्होंने बेरहमी, बेदर्दी और बेशर्मी से लूटा है।इससे पहले उन्होंने पार्टी के राज्य मुख्यालय में मुंबई में रहने वाले उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोगों ने मुलाकात की।

यूपी: शिक्षकों के लिए डबल खुशखबरी

कैशलेस के साथ 10 लाख शिक्षक-कार्मिकों को मिलेगा ग्रुप लाइफ इंश्योरेंस कवर

एजेंसी, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग अपने शिक्षकों, शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइयां, शासकीय व अनुबंधित कार्मिक सभी को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा देने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एमओयू करेगा। इससे विभाग के लगभग 4.50 लाख स्थायी तथा 5.50 लाख संविदा कार्मिक एसबीआई के विशेष सैलरी पैकेज में बीमा सुरक्षा से जुड़ेंगे। यह एमओयू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आठ जुलाई को वाराणसी में होने वाले कैशलेस चिकित्सा सुविधा व डीबीटी वितरण कार्यक्रम में होगा। प्रस्ताव के अनुसार जिन स्थायी कार्मिकों का वेतन 10 हजार रुपये से अधिक है, उन्हें 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा। इसके साथ ही एक करोड़ रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट

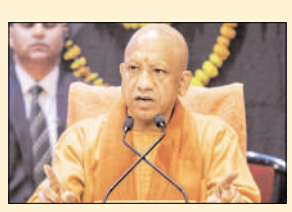

इंश्योरेंस कवर, एक करोड़ रुपये का स्थायी दिव्यांगता बीमा कवर और 1.60 करोड़ रुपये तक का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर मिलेगा। साथ ही अनहोनी की स्थिति में कार्मिकों के बच्चों की शिक्षा और बेटियों के विवाह के लिए भी एड ऑन कवर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे शिक्षकों-कर्मचारियों के परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

संविदा कार्मिकों को भी मिलेगा लाभ

एमओयू के तहत 10 हजार रुपये से अधिक कुल मासिक वेतन पाने वाले संविदा कार्मिकों को 30 लाख रुपये तक का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर मिलेगा। स्थायी विकलांगता की स्थिति में 30 लाख तथा आंशिक विकलांगता में 15 लाख का इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा। इसके अलावा एयर एक्सीडेंट की स्थिति में 30 लाख का इंश्योरेंस कवर भी मिलेगा। किसी अनहोनी होने पर कार्मिकों के बच्चों की पढ़ाई व बेटियों के विवाह के लिए भी एड-ऑन कवर भी दिया जाएगा। वहीं 10 हजार से कम नेट मासिक वेतन पाने वाले कार्मिकों को जीरो बैलेंस खाते व रुपे डेबिट कार्ड के आधार पर 1 लाख का इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा।

एसबीआई वेतन खाताधारकों को मिलेगा खुद लाभ

एमओयू लागू होने के बाद जिन कार्मिकों के वेतन खाते पहले से भारतीय स्टेट बैंक में हैं, उन्हें एसबीआई के सैलरी पैकेज में बदला जाएगा। जिन कार्मिकों के वेतन खाते भारतीय स्टेट बैंक में नहीं हैं, उन्हें एसबीआई में वेतन खाता खोलने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि वे भी एमओयू के अंतर्गत उपलब्ध सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

पीएम मोदी को सीजेपी का खुला पत्र, कहा- हमारी आवाज सुनें, शिक्षा मंत्री पर कार्रवाई करें

एजेंसी, नई दिल्ली।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखकर जंतर-मंतर पर चल रहे अपने प्रदर्शन पर चुप्पी तोड़ने की अपील की। पार्टी ने प्रधानमंत्री से कहा कि वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को कथित परीक्षा पेपर लीक और छात्रों की आत्महत्या के मामलों में जवाबदेह ठहराएं।

15वें दिन भी जारी है प्रदर्शन

सीजेपी ने बताया कि उसका विरोध प्रदर्शन अब 15वें दिन में पहुंच गया है। वहीं, शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले सात दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। पार्टी ने अपने दो पन्नों के पत्र 'इंसानियत का एक सवालः आप कब तक जंतर-मंतर को नजरअंदाज करते रहेंगे?' में पूछा कि इतने लंबे समय से शांतिपूर्ण प्रदर्शन और भूख हड़ताल के बावजूद प्रधानमंत्री की ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना, उमस से मिली राहत

अगले सप्ताह तक बरसात के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई हिस्सों में शनिवार दोपहर हुई झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और दोपहर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में लोगों को कई दिनों से बनी उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंडी हवाओं के चलते मौसम काफी सुहावना हो गया। कई जगहों पर लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर बारिश का आनंद लेते नजर आए।

शुक्रवार को बादल रहे, लेकिन नहीं मिली थी राहत इससे पहले शुक्रवार को भी पूरे दिन आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही थी, लेकिन अधिकांश इलाकों में बारिश नहीं हुई। केवल कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई थी। दिनभर बादल रहने के बावजूद उमस और गर्मी बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 28.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री अधिक था। वहीं अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बीते 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 5.3 डिग्री और अधिकतम तापमान में 2.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इसी दौरान लगभग 0.8 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई।

अगले एक सप्ताह तक बारिश की संभावना भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आने वाले एक सप्ताह तक दिल्ली-एनसीआर में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इस दौरान कई स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जिससे अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है।भारतीय अर्थव्यवस्था समाचार मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अब दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय हो चुका है, जिसके कारण अगले कुछ दिनों तक बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश होने के आसार हैं।

कई दिनों की उमस के बाद राहत की सांस

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही नमी और उमस के कारण लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा था। तेज धूप और भारी आर्द्रता के कारण दिनभर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शनिवार को हुई बारिश ने इस स्थिति से काफी हद तक राहत दिलाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार गर्मी और उमस से दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहा था। बारिश के बाद मौसम में आई ठंडक ने लोगों को राहत पहुंचाई है। हालांकि, कुछ इलाकों में जलभराव और धीमी यातायात की स्थिति भी देखने को मिली।

दिल्ली दंगा 2020: उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा झटका,

कोर्ट ने बड़ी साजिश के मामले में खारिज की जमानत अर्जी

एजेंसी, नई दिल्ली।

2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साज़िश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका दिल्ली की एक अदालत ने खारिज कर दीं। अपर सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत देने से इन्कार किया। खालिद और इमाम पर आतंकवाद-रोधी कानून और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

खालिद और इमाम ने अपनी अजी में कहा कि बिना मुकदमा शुरू हुए लगातार जेल में रखना मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। इमाम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत से इन्कार के छह महीने बाद भी कार्रवाई में प्रगति नहीं हुई और वह लगभग छह साल से हिरासत में है। खालिद ने भी बिना आरोप तय हुए इतने ही समय से जेल में रहने का हवाला दिया। याचिका में जोर दिया गया कि लंबे समय से जेल में रहने के बावजूद आरोप तय नहीं हुए हैं। खालिद ने तर्क दिया कि बाद की न्यायिक घटनाओं से हालात में बदलाव आया है, जिससे मौजूदा अर्जी सुनवाई योग्य हो गई। उन्होंने आतंक से जुड़े एक मामले में 18 मई के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का ज़िक्र किया, जिसने 5 जनवरी के फैसले की आलोचना की थी।

सुप्रीम कोर्ट की पिछली टिप्पणियां

सुप्रीम कोर्ट ने पांच जनवरी को बड़ी साजिश वाले मामले में खालिद और इमाम को जमानत देने से इन्कार किया था। हालांकि, सह-आरोपी गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को राहत मिली थी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि यूएपीए के तहत खालिद और इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। पीठ ने यह भी कहा कि सभी आरोपियों के साथ "भागीदारी के स्तर" को देखते हुए एक जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता।

भारत का आतंक पर बड़ा प्रहार, पाक में छिपे 23 दुश्मनों को घोषित किया आतंकवादी

एजेंसी, नई दिल्ली।

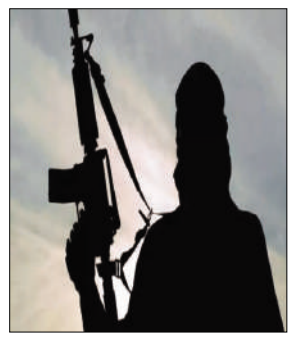

भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सक्रिय 23 आतंकियों को आधिकारिक तौर पर आतंकवादी घोषित कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गजट अधिसूचना जारी करते हुए इन सभी नामों को कानून की चौथी अनुसूची में शामिल किया है। इस सूची में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े कई प्रमुख कमांडर शामिल हैं।

जैश और लश्कर के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार गृह मंत्रालय के अनुसार, सूची में शामिल अधिकांश आतंकवादी पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में छिपे हुए हैं और लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय बताए जाते हैं। इन पर आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण, हथियारों की आपूर्ति, घुसपैठ और आतंकी हमलों की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप हैं।

सरकार का मानना है कि वअढअ के तहत आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद इन व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वित्तीय नेटवर्क पर शिकंजा कसने में आसानी होगी।

आतंक के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि आतंकवाद के ढांचे को कमजोर करने के लिए सरकार लगातार कानूनी और कूटनीतिक स्तर पर कदम उठा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सूचीबद्ध आतंकियों की गतिविधियों, सहयोगियों और वित्तीय नेटवर्क पर भी नजर रखी जा रही है। आने वाले समय में अन्य संदिग्ध आतंकियों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जा सकती है।

इन प्रमुख आतंकियों को किया गया सूचीबद्ध

गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में मसूद इलियास कश्मीरी उर्फ मुफ्ती मसूद इलियास का नाम भी शामिल है। करीब 41 वर्षीय इलियास पर जैश-ए-मोहम्मद के लिए आतंकियों की भर्ती, हथियार और गोला-बारूद की व्यवस्था करने का आरोप है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार वह फिलहाल पाकिस्तान के रावलकोट क्षेत्र में सक्रिय है। इसके अलावा मोहम्मद मुसादिक उर्फ डॉक्टर उर्फ अब्दुल मनन को भी सूची में शामिल किया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार वह जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख संचालक माना जाता है और वर्ष 2022 में जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर हुए हमले के मामलों में उसका नाम सामने आया था। मुफ्ती मोहम्मद असगर खान उर्फ अबू साद और हाफिज अब्दुल शकूर उर्फ कारी जर्रार को भी आतंकवादी घोषित किया गया है। इन दोनों पर वर्ष 2016 में नगरोटा स्थित भारतीय सेना के शिविर पर हुए आतंकी हमले से जुड़े मामलों में भूमिका होने के आरोप हैं।

प्लेटफॉर्म पर चोरों की अब खैर नहीं! दिल्ली-मुंबई सहित बड़े स्टेशनों पर तैनात होंगे ट्राई ई-स्कूटर

एजेंसी, नई दिल्ली।

रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर ट्राई ई-स्कूटर का सफल परीक्षण होने के बाद अब रेलवे राजधानी दिल्ली, मुंबई समेत देश के अन्य प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी इन्हें तैनात करने की तैयारी में है। इस पहल का मकसद आरपीएफ जवानों की गश्त को तेज, प्रभावी और आधुनिक बनाना है।

चेन्नई सेंट्रल स्टेशन पर ट्राई ई-स्कूटर पर तैनात आरपीएफ जवान प्लेटफॉर्म पर भीड़ नियंत्रण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही यात्रियों से छीना-झपटी, चोरी और अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ने में भी यह व्यवस्था काफी कारगर साबित हुई है। ट्रायल के सकारात्मक नतीजों को देखते हुए रेलवे अब इस सुविधा का विस्तार देश के अन्य बड़े स्टेशनों तक करने की योजना बना रहा है।

सदर्न रेलवे के प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर एवं आरपीएफ के आईजी अरूल ज्योति और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) एस. एन. नारायण के मुताबिक, करीब ढाई महीने पहले चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत दो ट्राई ई-स्कूटर तैनात किए गए थे। इनका प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहा, जिसके बाद पिछले महीने 10 और ट्राई ई-स्कूटर खरीदे गए। उन्होंने बताया कि अब इस व्यवस्था का दायरा बढ़ाते हुए रामेश्वरम, त्रिवेंद्रम और सदर्न रेलवे के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी ट्राई ई-स्कूटर तैनात करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए जल्द ही अतिरिक्त ई-स्कूटर खरीदे जाएंगे, ताकि आरपीएफ की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

आरपीएफ के आईजी अरूल ज्योति ने बताया कि ट्राई ई-स्कूटर की तैनाती से सुरक्षा व्यवस्था में दो बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पहला, आरपीएफ जवान प्लेटफॉर्म पर भीड़ प्रबंधन और यात्रियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने का काम पहले से अधिक प्रभावी ढंग से कर पा रहे हैं।

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी पदों से दिया इस्तीफा, ममता को लिखा पत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी में अपने सभी अन्य पदों से भी इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। राजनीति अपने इस्तीफे में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने लिखा कि वह 3 जून 2026 को कालीघाट में हुई बैठक में उन्हें सौंपे गए अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रही हैं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि वह वर्तमान में पार्टी में संभाल रहे सभी अन्य पदों से भी अपना इस्तीफा दे रही हैं।

उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि वह अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और उससे जुड़े अन्य संगठनों के विभिन्न बैंक खातों की अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता (ऑथराइज्ड सिग्नेटरी) के रूप में अपनी जिम्मेदारी वापस ले रही हैं।

40 दिन में घटकर 4 फीट के हुए बाबा बर्फानी

23 मई को जारी पहली तस्वीर में आकार 7 फीट था

एजेंसी, पहलगाम/बालटाल।

अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार 4 फीट रह गया है। 23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था।

29 जून को प्रथम पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 3 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 4 फीट का दिखाई दे रहा है। इसकी चौड़ाई भी घट गई है।

यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। पहले दिन 12 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में दर्शन किए हैं। दूसरा जत्था आज पहुंचेगा, जबकि तीसरा जत्था भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हो गया है।

आइस स्टैलेग्माइट हैं अमरनाथ के बाबा बर्फानी

अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है।

शिवलिंग इसलिए तेजी से घट रहा है क्योंकि गुफा में बढ़ती मानवीय और प्राकृतिक गतिविधियों से मौसम गर्म हो रहा है। ऊपर से टपकने वाला पानी पहले की तरह जम नहीं पा रहा है।

पीएम मोदी ने अमरनाथ यात्रियों को दिलाए 5 संकल्प

इधर, यात्रा के पहले दिन यात्रियों के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने एक पत्र लिखा है, जो शुक्रवार को यात्रियों को भी दिया गया। इसमें तीर्थयात्रा को महान सौभाग्य बताते हुए तीर्थयात्रियों से 5 संकल्प लेने को अपील की गई है।

- यात्रा मार्ग साफ रखेंगे। प्राकृतिक सुंदरता संरक्षित करेंगे।
- सुरक्षा निदेर्शों, यात्रा सलाहों का पालन करेंगे।
- 'वोकल फॉर लोकल' पहल के तहत जम्मू-कश्मीर के प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता देंगे।
- यात्रा से लौटने के बाद एक पौधा लगाएंगे।
- यात्रा में एकता, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देंगे।

प. एशिया में मध्यस्थता पर भारतीय राजदूत बोले- भारत और पाक की तुलना अनुचित, देश खुद करें फैसला

एजेंसी, बीजिंग।

चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराइस्वामी ने पश्चिम एशिया में मध्यस्थता को लेकर भारत और पाकिस्तान की तुलना को खारिज करते हुए इसे अनुचित बताया। उन्होंने साफ कहा कि देशों को यह खुद तय करना चाहिए कि किसी विवाद में मध्यस्थता करना उनके हित में है या नहीं।

भारतीय राजदूत ने क्या कहा?

पाकिस्तान से तुलना पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक भूमिका खुद ही अंतर दिखाती है। भारत की वैश्विक भागीदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश यूरोप और एशिया के साथ मजबूत आर्थिक संबंध रखता है। इस दौरान उन्होंने शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर भारत की सक्रिय भूमिका का भी जिक्र किया।

पश्चिम एशिया में मध्यस्थता पर भारत का रुख

उन्होंने कहा कि भारत किसी भी संघर्ष में मध्यस्थता करने को लेकर सावधानी बरतता है। राजदूत ने कहा कि अभी का वैश्विक माहौल पहले से ही काफी तनाव पूर्ण है, ऐसे में मध्यस्थता से भारत को कोई खास लाभ नहीं दिखता। उन्होंने यह भी बताया कि भारत पहले कुछ मामलों में अपनी भूमिका निभा चुका है।

भारत-चीन की मिलती-जुलती सोच

बीजिंग में विश्व शांति मंच के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चीन और भारत का रुख कई अंतरराष्ट्रीय संकटों पर काफी समान है। चाहे पश्चिम एशिया हो या यूरोप, दोनों देश सीधे मध्यस्थ बनने से बच रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन त्सिंघुआ यूनिवर्सिटी ने किया था।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने लाखों लोग पहुंचे: खून बहेगा, बदला-बदला के नारे लगाए

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे। इस दौरान लोगों ने ह्यखून बहेगाह्न, ह्यअमेरिका मुदार्बादह्न और ह्यबदला, बदलाह्न जैसे नारे भी लगाए।

तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने मानवता के नाते ऐसा किया है। कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद ईरान को अमेरिकी शर्तें माननी होंगी।

अंतिम संस्कार के चलते ईरान ने अमेरिका से बातचीत रोकी

अंतिम संस्कार के चलते ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत फिलहाल रोक दी है। वहीं ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अंतिम संस्कार के दौरान किसी भी तरह हमले की कार्रवाई से बचें। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "हमने ईरान को अंतिम संस्कार के लिए एक हफ्ते की छुट्टी दी है, क्योंकि हम अच्छे लोग हैं। वे समझौता करने के लिए बेताब हैं।"

ईरानी खुफिया मंत्रालय बोला- खामेनेई की मौत का बदला लेंगे

ईरान के खुफिया मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हमलों में मारे गए खामेनेई और दूसरे लोगों की मौत का बदला लिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि हमारे जख्म तब तक नहीं भरेंगे जब तक हत्या के जिम्मेदार लोगों से बदला नहीं लिया जाता।

ईरान को अंतिम संस्कार के लिए 1 हफ्ते की मोहलत दी: ट्रम्प

ट्रम्प ने साउथ डकोटा के फेमस माउंट रशमोर के सामने ट्रम्प एक विशाल रैली को संबोधित किया। माउंट रशमोर के पहाड़ को काटकर अमेरिका के चार राष्ट्रपतियों (वॉशिंगटन, जेफरसन, रूजवेल्ट और लिंकन) के चेहरे तराशे गए हैं। ट्रम्प ने साउथ डकोटा के फेमस माउंट रशमोर के सामने ट्रम्प एक विशाल रैली को संबोधित किया। माउंट रशमोर के पहाड़ को काटकर अमेरिका के चार राष्ट्रपतियों (वॉशिंगटन, जेफरसन, रूजवेल्ट और लिंकन) के चेहरे तराशे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दक्षिण डकोटा में शुक्रवार रात एक कार्यक्रम के दौरान ईरान पर फिर तंज कसा। ट्रम्प ने कहा- हमने ईरान को पूरी तरह झकझोर दिया है। कुछ समय पहले तक वे मिडिल ईस्ट में तबाही मचा रहे थे, लेकिन हमने उन्हें घुटनों पर ला दिया। अब वे किसी भी कीमत पर हमसे समझौता करना चाहते हैं।

अमेरिका 250 साल के लिए टाइम कैप्सूल दफन करेगा: 408 किलो वजन

इसमें व्हेल की हड्डी से एआई की भविष्यवाणी तक, आखिर इसकी जरूरत क्यों

एजेंसी, वॉशिंगटन।

4 जुलाई को अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के मौके पर 408 किलो का एक टाइम कैप्सूल जमीन में दफनाया जाएगा। इसे फिलाडेल्फिया के इंडिपेंडेंस नेशनल हिस्टोरिकल पार्क में दफनाया जाएगा और 250 साल बाद यानी 2276 में खोला जाएगा।

इसकी जानकारी नेशनल पार्क सर्विस के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी दर्ज की गई है, ताकि 250 साल बाद आने वाली पीढ़ियां इसे ढूंढ सकें और इसके बारे में जान सकें।

इस कैप्सूल में 50 राज्यों और आम लोगों की ओर से चुनी गई यादगार चीजें रखी गई हैं, जिसमें व्हेल की हड्डी, दुनिया के सबसे बड़े जिप्सम रेगिस्तान की रेत, राइट बंधुओं के विमान का कपड़ा, एआई की भविष्यवाणी और कई ऐतिहासिक दस्तावेज शामिल हैं।

टाइम कैप्सूल बंद पेटी या कंटेनर होता है, जिसमें किसी दौर की चीजें सुरक्षित रखी जाती हैं, ताकि भविष्य की पीढ़ियां उस समय के समाज, तकनीक, संस्कृति और जीवन को समझ सकें।

फिलाडेल्फिया को अमेरिका की आजादी का जन्मस्थान माना जाता है। 4 जुलाई 1776 को यहीं स्वतंत्रता घोषणा पत्र (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) को मंजूरी दी गई थी। इसी वजह से टाइम कैप्सूल को दफनाने के लिए इस शहर को चुना गया।

टाइम कैप्सूल को कैसे सील किया गया?

कैप्सूल को कार्यक्रम के दिन सील नहीं किया जाएगा। इसे पहले ही पूरी तरह सील किया जा चुका है। 4 जुलाई को इसे सिर्फ फिलाडेल्फिया में जमीन के नीचे स्थापित किया जाएगा।

कैप्सूल को सील करने के लिए खास धातु इंडियम का इस्तेमाल किया गया है। यह नरम धातु ढक्कन बंद करते समय छोटी-से-छोटी दरार भर देती है। इससे कैप्सूल पूरी तरह सील रहता है और अंदर रखा सामान लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।

अगर कैप्सूल में बहुत ज्यादा नमी होती तो कागज और दूसरी वस्तुएं खराब हो सकती थीं। वहीं नमी पूरी तरह खत्म करने पर कुछ चीजें सूखकर टूट सकती थीं। इसलिए वैज्ञानिकों ने कैप्सूल के अंदर 35% नमी रखी है।

कैप्सूल को करीब 10 फीट नीचे दफनाया जाएगा। इस गहराई पर तापमान में उतार-चढ़ाव कम होता है। तेज गर्मी, कड़ाके की ठंड और सतह पर आने वाले तूफानों का असर भी बहुत कम पड़ता है।

250 साल तक न पानी पहुंचेगा, न जंग लगेगी

वैज्ञानिकों के मुताबिक, जमीन के नीचे रखे जाने वाले किसी भी टाइम कैप्सूल का सबसे बड़ा दुश्मन पानी होता है। इसीलिए कैप्सूल के ऊपर एक और स्टील का सिलेंडर लगाया जाएगा।

कैप्सूल सुरक्षित रखने के लिए अपनाई गई खास तकनीकें

टाइम कैप्सूल बनाना जितना मुश्किल नहीं था, उससे बड़ी चुनौती उसे 250 साल तक सुरक्षित रखना था। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि जमीन के नीचे रखी चीजें ढाई सौ साल बाद भी सुरक्षित कैसे मिले।

इस वजह से प्रोजेक्ट से जुड़े कई विशेषज्ञों को इसमें शामिल किया गया। कई साल की रिसर्च के बाद ऐसा डिजाइन तैयार किया गया, जो पानी, नमी, जंग और मौसम के असर से कैप्सूल को बचा सके।

यह कैप्सूल चौकोर नहीं, बल्कि बेलन (सिलेंडर) के आकार का है। वैज्ञानिकों के अनुसार चौकोर डिब्बों के कोने समय के साथ कमजोर पड़ जाते हैं और वहीं से पानी अंदर जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है।

एक मतदेय स्थल पर 1200 मतदाता डालेंगे वोट

● टीनएफ टुडे ●

- मतदेय स्थलों के सम्माजन के प्रस्ताव पर मांगे सुझाव एवं आपत्तियां
- प्रस्तावित मतदेय स्थलों की सूची जारी की गई
- डीईओ पोर्टल व जिला निर्वाचन कर सकते हैं निरीक्षण

आगरा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर मतदेय स्थलों का सम्माजन 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों से प्राप्त मतदेय स्थलों की प्रस्तावित सूची का आलेख प्रकाशन शनिवार को कर दिया गया है। उक्त प्रस्तावित सूची का निःशुल्क निरीक्षण जनसामान्य द्वारा जिला निर्वाचन कार्यालय, आगरा, संबंधित तहसील मुख्यालयों तथा डीईओ पोर्टल पर किया जा सकता है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा जनप्रतिनिधि को प्रस्तावित मतदेय स्थलों के संबंध में कोई आपत्ति अथवा सुझाव प्रस्तुत करना हो, तो वे अपना अभिमत 12 जुलाई तक लिखित रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय, आगरा अथवा संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में जमा करा सकते हैं।

एसीपी ने किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

खेरागढ़। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से एसीपी प्रीता दुबे और थाना प्रभारी हरीश शर्मा ने शनिवार को पुलिस बल के साथ कस्बे के प्रमुख बाजारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों और स्थानीय लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जानकारी ली तथा शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की भी जांच कर पुलिस टीम को सतर्क रहने के निर्देश दिए। एसीपी ने कहा कि क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस की पैदल गश्त और चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

यूट्यूबर बाबू गप्पी की अभद्र टिप्पणी पर भड़का 'ग्वाल बाबा ह्यूमैनिटी फाउंडेशन', महिला आयोग में की शिकायत

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। सोशल मीडिया पर कॉमेडी के नाम पर महिलाओं के प्रति अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर 'बाबू गप्पी' की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ग्वाल बाबा ह्यूमैनिटी फाउंडेशन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.के. द्विवेदी और सह-संस्थापक प्रमोद त्यागी ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने यूट्यूबर बाबू गप्पी के वीडियो और उनके द्वारा महिलाओं पर की गई अभद्र टिप्पणियों के साक्ष्य आयोग के समक्ष रखे। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को बताया कि बाबू गप्पी सोशल मीडिया पर 'कॉमेडी' के नाम पर लगातार महिलाओं को टारगेट कर रहा है। संस्था का कहना है कि ऐसे वीडियो समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाते हैं और नकारात्मक संदेश देते हैं। फाउंडेशन ने आरोप लगाया कि व्यूज और लोकप्रियता पाने के लिए यूट्यूबर स्तरहीन भाषा का प्रयोग कर रहा है। शिकायतकताओं ने महिला आयोग की अध्यक्ष से मांग की है कि इस मामले में कड़ा संज्ञान लेते हुए बाबू गप्पी के खिलाफ तत्काल प्रभाव से विधिक कार्रवाई की जाए। फाउंडेशन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के मंच का उपयोग कर महिलाओं के प्रति अश्लील टिप्पणी करने का साहस न करे। अध्यक्ष बबिता चौहान को सौंपी गई शिकायत में संस्था ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है। यदि ऐसे मामलों में समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ाएगा। फिलहाल, इस मामले के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

एसएन मेडिकल कॉलेज की '24 घंटे सेंट्रल लैब' को मिली एनएबीएल मान्यता

प्रतिष्ठित एनएबीएल सर्टिफिकेशन पाने वाला यूपी का चौथा राजकीय मेडिकल कॉलेज बना

- लैब में रोजाना 7000 जांचें, एक साल में 25 लाख टेस्ट का शानदार रिकॉर्ड
- मरीजों को अब मिलेंगी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सटीक और विश्वसनीय जांच सेवाएं

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और आम जनमानस को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास लगातार धरातल पर रंग ला रहे हैं। इसी क्रम में ताजनगरी के सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज ने चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और बड़ा मील का पत्थर पार किया है। एसएनएमसी की 24 घंटे संचालित होने वाली 'सेंट्रल लेबोरेटरी' को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता (अूßप्रेंइंड्झल्ल) प्रदान कर दी गई है। इस गौरवपूर्ण सर्टिफिकेशन को हासिल करने के साथ ही एसएन मेडिकल कॉलेज उत्तर प्रदेश का चौथा ऐसा सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बन गया है, जिसे यह प्रतिष्ठित एनएबीएल (ठअइछ) मान्यता प्राप्त हुई है।

एसएन मेडिकल कॉलेज की यह 24 घंटे संचालित होने वाली सेंट्रल लैब मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वर्तमान में लैब के प्रमुख आंकड़े इसकी विशाल कार्यकुशलता और क्षमता को दर्शाते हैं। यहां रोजाना लगभग 1200 सैंपल प्रोसेस किए जाते हैं, जिनके आधार पर प्रतिदिन करीब 7000 इन्वेस्टिगेशन (जांचें) सफलतापूर्वक की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त लैब का मजबूत इमरजेंसी विंग भी पूरी क्षमता से काम कर रहा है, जहां अकेले हर दिन लगभग 2000 टेस्ट संपन्न होते हैं। यदि वार्षिक आंकड़ों की बात करें, तो पिछले महज एक वर्ष में लैब द्वारा 25 लाख से अधिक जांचें पूरी करने का एक शानदार रिकॉर्ड कायम किया गया है। वर्तमान में लैब में 100 से अधिक पैरामीटर्स पर जांच की

3 वर्षों की कड़ी मेहनत का सुखद परिणाम

यह ऐतिहासिक सफलता रातों- रात नहीं मिली है। लैब की नोडल ऑफिसर डॉ. कामना सिंह ने बताया कि यह मील का पत्थर कोर टीम के पिछले 3 वर्षों के निरंतर और कड़े प्रयासों का ही सुखद परिणाम है। उन्होंने बताया कि कई विशिष्ट (स्पेशलाइज्ड) टेस्ट ऐसे हैं, जिन्हें प्रदेश के अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों की तुलना में सबसे पहले आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में ही प्रारंभ किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने में कोर टीम की अहम भूमिका रही है, जिसमें चिकित्सक दल से डॉ. पवन गौतम, डॉ. रीतिका, डॉ. ज्योति, डॉ. कामिनी और तकनीकी व सहयोगी स्टाफ से श्री मुकेश कनौजिया, श्री हेमराज सिंह तथा श्री कृष्णकांत वर्मा शामिल हैं।

जांचें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और शत-प्रतिशत विश्वसनीय

एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने लैब की इस सफलता पर पूरी टीम की पीठ थपथपाई है। उन्होंने लैब की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को लेकर कहा कि एनएबीएल (ठअइछ) मान्यता मिलना इस बात का आधिकारिक और पुख्ता प्रमाण है कि एसएन मेडिकल कॉलेज की सेंट्रल लैब में होने वाली सभी जांचें पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और विश्वसनीय हैं। संस्थान का हमेशा से यही प्रयास रहा है कि मरीजों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराई जा सकें। यह मान्यता इसी दिशा में उठाया गया एक बहुत बड़ा कदम है।

ब्रज मंडल के मरीजों को मिलेगा विश्वस्तरीय पैथोलॉजिकल सेवाओं का लाभ

सूबे की योगी सरकार का स्पष्ट विजन है कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले गरीब और असहाय मरीजों को जांच के लिए निजी पैथोलॉजी की तरफ न भागना पड़े। इस एनएबीएल (ठअइछ) सर्टिफिकेशन के बाद न केवल आगरा बल्कि संपूर्ण ब्रज मंडल और इसके निकटवर्ती जिलों से आने वाले हजारों मरीजों को इसका सीधा फायदा मिलेगा। अब एसएन मेडिकल कॉलेज में ही मरीजों को बेहद सटीक, विश्वस्तरीय और उच्च स्तरीय पैथोलॉजिकल जांच सेवाओं का लाभ निरंतर और किफायती दरों पर मिलता रहेगा। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की यह उपलब्धि स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरूआत है।

सेंट्रल लैब की कार्यकुशलता के प्रमुख आंकड़े:-

- लैब में रोजाना लगभग 1200 सैंपल प्रोसेस होते हैं।
- प्रतिदिन 7000 से अधिक जांचें सफलतापूर्वक संचालित होती हैं।
- इमरजेंसी विंग में रोजाना करीब 2000 टेस्ट होते हैं।
- एक साल में 25 लाख से अधिक जांचें हुईं।

दीक्षोत्सव से सजेगा शताब्दी वर्ष

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के गौरवशाली शताब्दी वर्ष में आयोजित होने वाले शैक्षिक सत्र 2025-26 के दीक्षांत समारोह को ऐतिहासिक, गरिमामय एवं जनसहभागिता आधारित स्वरूप प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। माननीय कुलाधिपति महोदया के नवीन दिशा-निर्देशों एवं कुलाधिपति सचिवालय द्वारा जारी विस्तृत निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव के अंतर्गत शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, नवाचार एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार दीक्षोत्सव का उद्देश्य केवल दीक्षांत समारोह का आयोजन करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को व्यापक मंच प्रदान करना है। शताब्दी वर्ष के इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर से लेकर गोद लिए गए गांवों तक अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। दीक्षोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए काव्य एवं निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, कहानी-कथन (स्टोरी टेलिंग), पुस्तक पठन एवं समीक्षा, देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, पारंपरिक खेल प्रतियोगिताएं, स्वच्छता अभियान तथा राज्य एवं राज्य के बाहर शैक्षणिक भ्रमण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक पुस्तक का अध्ययन कर उसकी समीक्षा (रिव्यू) तैयार करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा, जिससे अध्ययन एवं पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। इस वर्ष की विशेषता यह होगी कि विद्यार्थियों के लिए समसामयिक विषयों–भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था कैसे बना, राज्य सरकार के दो अच्छे कार्य तथा भारत सरकार के दो अच्छे कार्य– पर निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में भी व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें मेरी माँ विषय पर भाषण, कविता, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, कहानी-कथन, पारंपरिक खेल, पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा ग्रामीण विकास संबंधी गतिविधियां शामिल रहेंगी। गांवों के विद्यालयों में कक्षा 3 से 8 एवं 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कर उत्कृष्ट प्रतिभागियों को दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। विजेता चित्रों का प्रदर्शन एवं प्रकाशन भी किया जाएगा। साथ ही, विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में पिछले सात वर्षों में किए गए विकास कार्यों का विस्तृत दस्तावेज फोटोग्राफ सहित तैयार किया जाएगा। दीक्षोत्सव के अंतर्गत सामाजिक उत्तरदायित्व को भी विशेष महत्व दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा आंगनवाड़ी किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं केंद्रों को सम्मानित किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुलपति, कुलसचिव, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की सहभागिता से विश्वविद्यालय परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के उपरांत विश्वविद्यालय में माँ-बेटी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें छात्राओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं समग्र विकास पर विशेषज्ञों द्वारा संवाद किया जाएगा। छात्रावास में निवासरत छात्राओं की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट भी उनके अभिभावकों के साथ साझा की जाएगी। कुलाधिपति सचिवालय के निदेशों के अनुसार विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट शिक्षण, शोध, नवाचार, पेटेंट, पुस्तक एवं जर्नल प्रकाशन, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा सामाजिक योगदान के आधार पर उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन किया जाएगा। चयनित शिक्षकों को दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति महोदया के करकमलों से सम्मानित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ उनके महाविद्यालयों के नामों की भी उद्घोषणा की जाएगी। उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों के महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को भी समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। निदेशों के अनुसार माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा चयनित 25 विद्यार्थियों को मंच पर पदक प्रदान किए जाएंगे, जबकि अन्य विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि सभी कार्यक्रम कुलाधिपति सचिवालय के दिशा-निदेशों के अनुरूप सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से आयोजित किए जाएंगे।

कटिंग और रीपैकिंग की नींव पर खड़ी हो गई दवा के अवैध धंधे की इमारत

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। आगरा में दवा के अवैध कारोबार ने जो बुलंद इमारत खड़ी की है उसकी नींव रखी गई थी कटिंग और रीपैकिंग पर। ये बुलंदी इतनी हो गई है कि न तो यहां तक पहुंच पाना संभव है और न ही इसकी नींव को खंगाल पाना। नकली और असली दवा के खेल में ये धंधेखोर इतनी बदमाशी सीख गए हैं कि उन्हें जेल की सलाखों तक न तो पहुंचाने की जरूरत समझी गई और न ही हिम्मत हो पाई। धंधेखोरों की ओर से दी गई चांदी के जूते की मार से जिम्मेदार भी बेशर्मी की चादर ओढते रहे।

अब आते हैं कटिंग पर। दवा बाजार में ये शब्द बहुत प्रचलन में है। जो दवा कंपनी रेट पर मान लो 100 रुपये में बिकती है, कटिंग में यही दवा 50 रुपये तक में मिल जाएगी। यानी ये कहा जाए कि कटिंग की दवा का कोई रेट नहीं है। जैसा सौदा पट जाए। तीन दशक पहले की बात की जाए जो ज्यादातर दवा की सप्लाई हॉकर के जरिए होती थी। यही हॉकर बाजार में कटिंग की दवा बेचते थे। कटिंग ये दवा कहां से आई, कितनी आई, इसके बारे में न तो दुकानदार पूछता था और न ही ड्रग विभाग। जानकार बताते हैं कि ये दवा या तो कंपनी की मिलीभगत से बाजार में उतारी जाती थी या फिर कंपनी प्रिंट से हूबहू मेल खाती पैकिंग में तैयार की जाती थी। इसी कटिंग के बूते कई हॉकर अमीर होते गए। और आज, ये दवा के बडे कारोबारी बन चुके हैं। कई ने अतिरिक्त बिजनेस शुरू कर दिए हैं। किसी ने हाईवे पर होटल खोल लिया है तो किसी ने अपना प्रोडक्ट लांच कर दिया है। चल-अचल संपत्ति भी जुटाई।

यही हाल रीपैकिंग का है। आगरा में दवा की रीपैकिंग का धंधा भी कम से कम तीन दशक पुराना ही है। सैंपल की दवा की बिक्री प्रतिबंधित है। कंपनियां अपने उत्पादन का

एक हिस्सा सैंपल के नाम पर उतारती हैं। अवैध धंधे के बदमाश लोग सैंपल की दवाओं के जखीरा को हासिल कर उसे कंपनी की तरह रीपैकिंग कर एक-एक खेप पर लाखों रुपये कमाते रहे। पैसे की भूख मिटाने के लिए कुछ धंधेखोरों ने इससे भी आगे कदम बढ़ाया। दिल्ली, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में किसी भी फैक्ट्री में दवा बनवाई और उसे ब्रांडेड कंपनी के नाम पर रीपैकिंग कराकर बाजार में उतार दिया। दो-चार रुपये में तैयार होने वाली गोली कंपनी की एमआरपी पर बेची जाती। इतना ही नहीं, इस खेल के कुछ खिलाड़ी तो इतने माहिर हो चुके थे कि कंपनी से दवा की खेप निकलने के बाद अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही ट्रक को हाइजेक कर लेते। पूरा जखीरा आगरा में लाकर यहां से पूरे देश में सप्लाई करते इस खेल ने तमाम धंधेखोरों को अचानक अमीर बना दिया। दवा बाजार में आज भी कुछ ऐसे दुकानदार हैं जो न कटिंग के चक्कर में पड़े और न रीपैकिंग के खेल में। ऐसे दुकानदार आज दुकान में बैठे मक्खियां मार रहे हैं। जबकि उनके देखते ही देखते तमाम अप्रत्याशित रूप से इतने अमीर हो गए हैं जिसका अनुमान भी वे लगाने में असमर्थ हैं। रेलवे स्टेशन और प्राइवेट बस अडडों पर ऐसी खेप रात में उतरती थीं। इनके ठेकेदार बाजार तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाते थे। इसकी एवज में मोटी कमाई करते थे। औषधि विभाग ही नहीं, तब वाणिज्य कर और अब जीएसटी के साथ ही अन्य संबंधित विभागों की एक-एक रात लाखों की होती थी। स्वास्थ्य विभाग के अधीन औषधि अनुभाग ने भी अमीर बनने की बहती गंगा में खूब डुबकियां लगाईं। औषधि अनुभाग को एक-एक शातिर की करतूतों की जानकारी रहती थी। एक बार भी स्थानीय स्तर पर किसी भी मेडिकल स्टोर या गोदाम पर छापा नहीं मारा गया। कारण, कार्रवाई से पहले ही सेवा हो जाती। एक-एक मेडिकल स्टोर से हजारों की महीनेदारी आती रही। महीनेदारी का सिलसिला अभी भी जारी है।

अस्पताल के नाम पर बल्क आर्डर पर खेल

दवा के धंधेखोरों ने एक और नया खेल शुरू कर दिया है। कंपनियां बड़े-बड़े अस्पतालों के लिए सप्लाई करती हैं। बल्क में आर्डर के तहत कंपनियां इन्हें कीमत में छूट देती हैं। धंधेखोरों ने कंपनियों से सेटिंग कर ऐसी बल्क सप्लाई पर कब्जा कर लिया है। सस्ते दामों पर दवा लेकर एमआरपी पर बाजार में उतारते हैं।

डॉ. एमपीएस ग्रुप में हुआ वैश्विक शिक्षा समागम, फ्रांस के संस्थान से एमओयू

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। डॉ. एमपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में शनिवार को बियॉन्ड बॉर्डर्स : द ग्लोबल एजुकेशन कॉन्फ्लुएंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय छात्रों के लिए वैश्विक शिक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोलना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के चेयरमैन स्क्वाड्रन लीडर ए.के. सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छात्रों को वैश्विक स्तर की चुनौतियों और आधुनिक तकनीकों के लिए तैयार करना समय की मांग है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में पेरिस (फ्रांस) स्थित एप्लाइड इंस्टीट्यूट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के निदेशक यासिन असलिमी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य और शिक्षा में इसकी बढ़ती भूमिका पर विचार रखे। अंतरराष्ट्रीय विपणन एवं विकास प्रबंधक पवित्रा विश्वनाथ ने भी वैश्विक करियर और विकास की संभावनाओं पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। मेरिडियन ओवरसीज एजुकेशन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के चीफ कम्प्लायंस मैनेजर आदित्य कुमार ने विदेशी शिक्षा, प्रवेश प्रक्रिया, नियमों और छात्रवृत्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। समागम के दौरान डॉ. एमपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके माध्यम से आगरा के छात्रों को भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा और शोध के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। डॉ. एमपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अकादमिक निदेशक डॉ. विक्रांत शास्त्री ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या राखी जैन, प्रशासनिक निदेशक डॉ. अनूप कुमार गोयल, विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

न्याय को गढ़नाः शीर्ष अदालत और एआई का उपयोग

अगर इसका कोई गंभीर नतीजा न होता, तो एक जज का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के मतिभ्रमों के आधार पर किसी न्यायिक फैसले पर पहुंचना मजेदार बात होती। न्यायिक प्रक्रियाओं में इस्तेमाल किये जाने पर, ऐसों मतिभ्रमों से न्याय करने में जो गंभीर गड़बड़ी हो सकती है उसे देखते हुए, भारत के सुप्रीम कोर्ट ने इसकी तुलना मिथाइल आइसोसाइनेट से की, वह जहरीली गैस जिसकी वजह से सन 1984 में भोपाल गैस त्रासदी हुई – ह्लअदृश्य, चुपचाप फैलने वाली और किसी को पता चलने तक विनाशकारी रूप ले लेने वालीह्व। सुप्रीम कोर्ट ने दिवालियापन के एक मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) के आदेशों को दरकिनार करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उसने पाया कि एनसीएलटी ने एआई-निर्मित काल्पनिक कानूनी उद्धरणों पर भरोसा किया था, और अपीलेट ट्रिब्यूनल ने इस चूक पर ध्यान नहीं दिया। यह इस साल सुप्रीम कोर्ट की ओर से किये गये उन कई हस्तक्षेपों में से एक है, जिनमें अदालती कार्यवाहियों में एआई-निर्मित काल्पनिक न्यायिक नजीरों के इस्तेमाल के खिलाफ आगाह किया गया। अपने फैसलों और मौखिक टिप्पणियों के जरिए, सुप्रीम कोर्ट ने न्याय देने की व्यवस्था में एआई का इस्तेमाल किये जाने को लेकर लगातार सख्त और सतर्क रवैया अपनाया है। अभी, 27 फरवरी को, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और आलोक अराधे की इसी पीठ ने एक निचली अदालत द्वारा एआई-निर्मित नजीर कानूनों (केस लॉ) पर भरोसा करने का संज्ञान लिया और रेखांकित किया कि यह फैसला लेने में हुई त्रुटिह्व भर नहीं थी, बल्कि न्यायिक 'कदाचार' के बराबर था।

चिंता की बात

एचडीएफसी के नए चेयरमैन पर सवाल

देश के प्रमुख निजी बैंक एचडीएफसी ने भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को बैंक का नया स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 30 जून 2026 से प्रभावी हो गई है। वह अगले चार वर्षों तक इस पद पर रहेंगे। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिलने के बाद वह तीन साल की अवधि के लिए बैंक के अंशकालिक चेयरमैन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। कोई बैंक किसी पूर्व अधिकारी को निदेशक बनाए, तो इसमें कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि प्रमुख चुनाव आयुक्त जैसे पद को संभालने के बाद एक निजी बैंक का निदेशक राजीव कुमार बने हैं। ध्यान रहे कि उनके मुख्य चुनाव आयुक्त रहते चुनावों में बड़ी धांधलियों के आरोप बार-बार लगे और चुनाव आयोग जैसी संस्था पर सवाल उठने शुरू हुए, जो मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तक जारी ही हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के वक्त राजीव कुमार ही चुनाव आयोग के प्रमुख थे, और तब विपक्ष ने आरोप लगाए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के सांप्रदायिक भाषणों पर आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। विपक्ष का कहना था कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या अन्य बड़े भाजपा नेताओं ने चुनावों के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ या सांप्रदायिक बयान दिए, तो चुनाव आयोग ने उन पर कोई सीधी कार्रवाई नहीं की। आयोग ने प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत नोटिस भेजने के बजाय भाजपा अध्यक्ष (जेपी नड्डा) को नोटिस थमा दिया, जिसे विपक्ष ने नियमों का मजाक उड़ाना कहा। जबकि विपक्षी नेताओं की छोटी गलतियों पर भी तुरंत और सख्त कार्रवाई की गई। इसके अलावा भी वोट चोरी, ईवीएम की गड़बड़ी, वोटर डेटा आदि की गड़बड़ियों के सवाल विपक्ष उठाता रहा। लेकिन राजीव कुमार का रवैया ऐसा था कि वे प्रेस कांफ्रेंस में खुलकर सवाल उठाने वालों को ही कटघरे में खड़ा कर देते थे, या फिर स्तरहीन शायरी सुनाकर जवाब देते थे। राजीव कुमार का कहना था कि जो लोग चुनावी नतीजों को स्वीकार नहीं करना चाहते, वे अक्सर चुनाव आयोग को 'बलि का बकरा' बनाते हैं। उन्होंने ईवीएम में गड़बड़ी और मतदाता सूची से छेड़छाड़ जैसे आरोपों को भी पूरी तरह निराधार बताया था। मुख्य चुनाव आयुक्त पद से सेवानिवृत्त होने के बाद राजीव कुमार करीब साल भर सुर्खियों से दूर ही रहे। यदा-कदा उनकी सुबह की सैर की तस्वीरें ही सामने आईं, अन्यथा वे कहां हैं, क्या कर रहे हैं, देश में चुनाव आयोग से जुड़े एसआईआर जैसे कई गंभीर मसले उठे, तब भी उनकी कोई टीका-टिप्पणी नहीं सुनी गई। जबकि एस वाय कुरैशी या अशोक लवासा जैसे पूर्व चुनाव आयुक्तों के आलेख या बयान समसामयिक विषयों पर आते ही रहते हैं। इसलिए जब राजीव कुमार को एचडीएफसी का नया चेयरमैन बनाने की खबर सामने आई, तो सभी को आश्चर्य हुआ। राजीव कुमार का पिछला कार्यप्रभार जितना विवादों में रहा, वैसे ही विवाद एचडीएफसी से भी जुड़े हैं। इसी साल मार्च में बैंक के चेयरमैन पद से अतानु चक्रवर्ती ने इस्तीफा दे दिया था। 17 मार्च 2026 की रात को, पूर्व आईएएस अधिकारी, आर्थिक मामलों के विभाग के पूर्व सचिव और एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष अतानु चक्रवर्ती ने तीन वाक्य लिखे जिसने वित्तीय जगत को चौंका दिया था। श्री चक्रवर्ती ने लिखा कि 'पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और प्रथाएं देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है। मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे इस्तीफे के लिए ऊपर बताए गए कारणों के अलावा कोई अन्य ठोस कारण नहीं हैं।' अतानु चक्रवर्ती ने इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा। कोई विशिष्ट विवरण नहीं दिया। किसी घटना का नाम नहीं लिया। कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया।

मान सरकार के लिए बूमरैंग साबित होता बेअदबी कानून

> "
> भगवंत सिंह मान इतने लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं, इसके बावजूद, वे अकाली दल के बुने जाल में आसानी से फंस गए। आम आदमी पार्टी अब ऐसे मोड़ पर है जहां अकाल तख्त के जत्थेदार द्वारा सुझाए गए संशोधनों को लागू करने पर भी उसे परेशानी होगी और लागू न करने पर भी वह मुश्किल में पड़ जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सार्वजनिक रूप से कानून में किसी भी बदलाव से इनकार कर चुके हैं, लेकिन उन्हें अपने स्टैंड पर कोहनीमोड़ लेना पड़ेगा। यदि पार्टी जत्थेदार के सुझावों को खारिज कर देती है तो वह पंथक विरोध के झंझावत में फंस जाएगी।

बूमरैंग आस्ट्रेलिया के मूलनिवासियों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला वो हथियार है जो लक्ष्य भेदने में असफल होने पर मारने वाले पर ही पलटवार करता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी को लेकर लाया गया ह्यजगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियमह्व अब यही राजनीतिक बूमरैंग साबित होता दिख रहा है। अकाली दल को घेरने व सिख मतदाताओं को रिझाने के लिए लाए गए इस अधिनियम में खुद सरकार फसी हुई दिख रही है।

पंजाब की राजनीति में उस समय नया मोड़ आया जब अकाल तख्त के जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने निर्वाचित विधानसभा को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और सदस्यों से यह स्पष्टीकरण मांगा कि उन्होंने बिना सलाह के एक पंथ से जुड़ा कानून क्यों पारित किया। संवैधानिक रूप से सदन के अंदर विधायकों द्वारा कही या की गई किसी भी बात को कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती। वे केवल अध्यक्ष, न्यायालयों और जनता के प्रति ही जवाबदेह होते हैं, लेकिन जत्थेदार गडगज ने जनता के इन प्रतिनिधियों के साथ स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार किया। सही उत्तर न देने पर उन्हें डांटा और एक महीने के भीतर अपना होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर वापस भेज दिया। इस पेशी के दौरान सामने आया कि कुछ विधायकों ने तो इस कानून का प्रारूप तक नहीं पढ़ा था और बिना पढ़े इन पर हस्ताक्षर कर दिए। जब अकाल तख्त के जत्थेदार ने 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम' की कुछ धाराओं व तकनीकी शब्दों के बारे में पूछा, तो कई विधायकों ने इस संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त की।

अकालियों के जाल में फंसे मान

भगवंत सिंह मान इतने लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं, इसके बावजूद, वे अकाली दल के बुने जाल में आसानी से फंस गए। आम आदमी पार्टी अब ऐसे मोड़ पर है जहां अकाल तख्त के जत्थेदार द्वारा सुझाए गए संशोधनों को लागू करने पर भी उसे परेशानी होगी और लागू न करने पर भी वह मुश्किल में पड़ जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सार्वजनिक रूप से कानून में किसी भी बदलाव से इनकार कर चुके हैं, लेकिन उन्हें अपने स्टैंड पर कोहनीमोड़ लेना पड़ेगा। यदि पार्टी जत्थेदार के सुझावों को खारिज कर देती है तो वह पंथक विरोध के झंझावत में फंस जाएगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि मान सरकार को कानून पारित करने से पहले पंथक धड़ों सहित सभी पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श करना चाहिए था। यदि मुख्यमंत्री ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को इस प्रक्रिया में शामिल किया होता तो उसे यह समय नहीं देखना पड़ता। वर्तमान में अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर बादल का एसजीपीसी पर पूर्ण नियंत्रण है, जिस पर आरोप हैं कि वह मनमाने ढंग से अकाल तख्त जत्थेदारों की नियुक्ति और बर्खास्तगी करती है। बादल की यह सुनियोजित रणनीति भगवंत मान के लिए संकट की घड़ी पैदा करने की थी और वे जिसमें सफल रहे। राजनीतिक क्षेत्र में अपनी स्थिति पुनः प्राप्त करने के लिए उत्सुक श्री बादल इसके लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। आम सिखों द्वारा बेअदबी विरोधी कानून का हार्दिक स्वागत अकाली दल के खेमे में खतरे की घंटी बजा चुका था। सुखबीर बादल सिख वोट बैंक छिटकने को लेकर चिंतित थे, लेकिन मान सरकार ने अपनी सूझबूझ की कमी से बादल को पंथक एजेंट पर लाभ वाली मुद्रा में ला दिया।

मुख्यमंत्री ने संवैधानिक मयार्दा पर सवाल कड़े किए

भगवंत मान की अकाल तख्त साहिब में पेश होने को लेकर अपनी राजनीतिक मजबूरियाँ हो सकती हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के इस कदम ने संवैधानिक मयार्दा पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि ज्ञानी जैल सिंह और प्रकाश सिंह बादल को जब बुलाया गया तो वे तुरंत अकाल तख्त साहिब नहीं गए। उन्होंने खुद पेश होने का समय तय किया था। सुरजीत सिंह बरनाला (पूर्व मुख्यमंत्री) और बूटा सिंह (पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री) ने संवैधानिक पदों से हटने के बाद ही गलतियों को माफ करवाने के लिए अकाल तख्त साहिब में पेश होने का रास्ता चुना था। लेकिन न तो मान और न ही उनकी सरकार इतना हौंसला दिखा सकी कि वह अपने पद व संवैधानिक मयार्दा का पालन करवा सके। पूरे प्रकरण में वे एक कमजोर मुख्यमंत्री और उनके विधायक अनाड़ी जनप्रतिनिधि साबित हुए हैं। रोचक बात है कि सरकार में 92 विधायक होने के बावजूद कोई प्रबुद्ध संकट प्रबंधक व कुशल मार्गदर्शक नजर नहीं आ रहा है। इस प्रकरण ने सरकार की राजनीतिक कुशलता व रणनीतिक योग्यता पर भी प्रश्न खड़े किए हैं। यह अब समय ही बातएगा कि इस राजनीतिक बूमरैंग में आप सरकार के हाथ कितने जख्मी होते हैं।

-राकेश सेन

सिस्टम की खराबी का संकेत है अयोध्या घोटाला!

अगर किसी लक्ष्य को पाने के लिए मूल्यों का उल्लंघन किया जाए तो सब कुछ बर्बाद हो जाता है चाहे वह लक्ष्य कितना भी अच्छा क्यों न हो। यह सच है कि कुछ उलझनें और दुविधाएं होती हैं लेकिन मूल्यों को ध्यान में रखकर ही उनसे भी निपटना चाहिए। इससे कम कुछ भी करना थोड़े समय के लिए तो सुविधाजनक हो सकता है लेकिन लंबे समय में यह नुकसान ही पहुंचाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था समाचार अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावे के गलत इस्तेमाल के आरोपों को लेकर हो रहा विवाद भारतीय संस्थाओं में फैली व्यापक गिरावट का एक और चौंकाने वाला उदाहरण है। हमारी राजनीतिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाएं, स्वतंत्र निगरानी एजेंसियां और अब आस्था व पूजा के स्थान भी एक ही तरह की गड़बड़ियों में डूबे हुए लगते हैं। परीक्षा के पेपर लीक होने से लेकर जमीनें हड़पने और बैंकिंग घोटालों जैसे भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों के बीच देश की दिशा को लेकर निराशा का माहौल बन गया है और ये सब लोगों की नजरों के सामने हो रहा है।

अयोध्या के घोटाले को गिरावट के एक नए निचले स्तर के तौर पर देखना आसान है। आखिरकार, यह वही जगह है जो भारतीय जनता पार्टी की राजनीति एवं धर्म के उतार-चढ़ाव भरे मिश्रण के केंद्र में रही है और जिसने 1984 के लोकसभा चुनाव में दो सीटों से लेकर 2014 में 282 सीटों तक पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद की है। इस लिहाज से यह भाजपा के राजनीतिक 'गर्भगृह' (सबसे पवित्र स्थान) में हुआ घोटाला है। यह उन लाखों श्रद्धालुओं की आस्था तथा श्रद्धा का मजाक उड़ाता है जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण एवं रखरखाव में योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार 22 जनवरी, 2024 को मंदिर के उद्घाटन के बाद से लगभग 50 करोड़ श्रद्धालु यहां आ चुके हैं। आस्था के इतने पवित्र प्रतीक के भी उन लोगों द्वारा लूटे जाने का खतरा है जिन्हें इसके निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह स्थिति उस नए निचले स्तर को दशार्ती है जिसकी चर्चा हो रही है।

अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' ट्रस्ट के सर्वेसर्वा महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया है। यह ट्रस्ट मंदिर का काम-काज संभालता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है और जांच के दौरान आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। किसी आम घोटाले के मामले में यह एक आम राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिक्रिया है। इस तरह की कार्रवाई का मकसद भरोसा बहाल करना होता है लेकिन यहां भरोसे का कमजोर पड़ना कुछ ज्यादा ही अहम बात की ओर इशारा करता

है। इससे आस्था रखने वालों को यह समझ आता है कि शासन-व्यवस्था के चरमराने का क्या मतलब होता है। अब तक सत्ता के कमजोर पहलू- जैसे लोकतंत्र, पारदर्शिता, उचित प्रक्रिया, ईमानदारी और ऐसी ही दूसरी चीजों पर उठने वाले सवालों को सिर्फ. रोजमर्रा की राजनीति से जुड़े सवाल माना जाता था। यदि राजनीति दांव-पेंच वाली है तो नेताओं को अपनी पकड़ बनाए रखते तथा अपना एजेंडा आगे बढ़ाते हुए खेलना सीखना होगा। शासन-व्यवस्था को लेकर यह आसान और बंटा हुआ नजरिया है कि 'खराब' शासन-व्यवस्था को एक दायरे में सीमित किया जा सकता है और उससे कुछ 'अच्छा' भी निकल सकता है पर यह दृष्टिकोण राम मंदिर घोटाले के मामले में पूरी तरह गलत साबित होता है। यह उन लोगों को दिखाता है जिन्होंने अब तक मुश्किल सवाल पूछने से इन्कार किया है कि शासन-व्यवस्था का चरमराना देश और उसके साथ बैठे हर एक की नाव को डुबो देता है- चाहे वे आस्था रखने वाले हों या न रखने वाले हों। इस तरह खराब शासन-व्यवस्था एक ऐसी आग की तरह काम करती है जो सब कुछ जलाकर राख कर देती है। इस नजरिए से देखें तो अयोध्या का विवाद कोई नई बात या बहुत नीचे गिरने वाली घटना नहीं है। यह उस रास्ते का नतीजा है जहां सिर्फ.मकसद पूरा करने पर ध्यान दिया जाता है और उसे पाने के तरीके की परवाह नहीं की जाती। अयोध्या में जो हुआ वह उस नेतृत्व और सत्ता हथियाने के सिस्टम का तार्किक नतीजा है जो इस बात पर यकीन करता है कि सिर्फ नतीजे मायने रखते हैं, उन्हें पाने का तरीका नहीं।

इस रास्ते को अपनाकर हम उस एक सिद्धांत को छोड़ देते हैं जिसे भारतीय आध्यात्मिक परंपराएं सबसे ऊपर मानती हैं, कि धर्म का रास्ता सबसे आगे होना चाहिए और अर्थ (पैसा/सत्ता) उसके पीछे चलना चाहिए या यह कि भारतीय जीवन-शैली और तरक्की के मूल में मूल्य होते हैं।

भारतीय परंपरा में गलत तरीकों से हासिल की गई किसी भी चीज को सफलता या उपलब्धि नहीं माना जाता। यह एक बहुत बड़ी भारतीय आध्यात्मिक सीख है जिसे अनगिनत प्रवचनों और कथाओं में दोहराया गया है कि अगर किसी लक्ष्य को पाने के लिए मूल्यों का उल्लंघन किया जाए तो सब कुछ बर्बाद हो जाता है चाहे वह लक्ष्य कितना भी अच्छा क्यों न हो। यह सच है कि कुछ उलझनें और दुविधाएं होती हैं लेकिन मूल्यों को ध्यान में रखकर ही उनसे भी निपटना चाहिए। इससे कम कुछ भी करना थोड़े समय के लिए तो सुविधाजनक हो सकता है लेकिन लंबे समय में यह नुकसान ही पहुंचाएगा। राम मंदिर विवाद हमें बताता है कि यह सारी समझ अब उलट गई है। यह लूट सि$र्फ भौतिक संपत्ति तक सीमित नहीं है बल्कि यह उन लोगों द्वारा हमारी सभ्यता और आध्यात्मिक परंपराओं को नष्ट करना है जो खुद को उनकी रक्षा करने वाला बताते हैं।

अद्वैत वेदांत के मशहूर विद्वान और शिक्षक स्वामी दयानंद सरस्वती (1930-2015) ने मूल्य आधारित जीवन के प्रति इस जरूरी कर्तव्य के बारे में बात की थी। स्वामी दयानंद ने न सिर्फ मूल्यों को समझने बल्कि उन मूल्यों के अनुसार जीने के महत्व को भी सिखाया। अपनी किताब 'वैल्यू ऑफ वैल्यूज' में उन्होंने लिखा- 'मेरे जीवन की अभिव्यक्ति असल में मेरे अच्छी तरह से अपनाए गए मूल्यों के ढांचे की अभिव्यक्ति है। सिर्फ अपनाए गए मूल्य ही मेरे निजी मूल्य होते हैं जो यह दिखाते हैं कि मेरे लिए क्या कीमती है।' इस सीख में मूल्यों को मन में उतारना होता है और उन्हें अपनाने वाले व्यक्ति का अभिन्न अंग बनना होता है।

-जगदीश रत्तनानी

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 06 जुलाई 2026 सोमवार आषाढ़ कृष्ण सप्तमी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष मिथुन सिंह कन्या तुला और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन साक्षात देवों के देव महादेव भगवान शिव शंकर की साधना और उपासना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिव जी का गन्ने के रस या कच्चे दूध से अभिषेक करना महामृत्युंजय मंत्र का मानसिक जप करना और सफेद रंग के वस्त्र धारण करना जीवन में असीम मानसिक शांति आरोग्यता पारिवारिक सुख और व्यापारिक समृद्धि में भारी वृद्धि लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और राजनैतिक प्रभाव में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा और सोचे हुए सभी सरकारी काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान शिव को विल्वपत्र अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद पूरी तरह हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। शिव चालीसा का पाठ करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। किसी जरूरतमंद को चावल का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। महादेव के सम्मुख बैठकर प्रार्थना करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर भस्म का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज की व्यवस्था करें जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में मिश्री का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। शिव कवच का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। ॐ नमः शिवाय मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। भोलेनाथ को प्रणाम करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। किसी गरीब व्यक्ति को वस्त्र का दान करें जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। शिव मंदिर में जाकर शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर के उत्तर पूर्व कोण यानी ईशान कोण में गंगाजल का छिड़काव करने और वहां कपूर जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात देवों के देव महादेव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का मानसिक व शारीरिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

पहली बारिश में डूबी लालपुर की सड़क जान जोखिम में डालकर गुजर रहे लोग

● टीनएफ टुडे ●

खेरागढ़। विकास खंड के गांव लालपुर की बदहाल सड़क और जलभराव ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। तहसीलदार वाले कुएं से मेन रोड लालपुर को जोड़ने वाले मार्ग पर जलभराव होने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। पानी से सड़क और पोखर का अंतर तक दिखाई नहीं देता, जिससे हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। लालपुर के रहने वाले रामगोपाल सिंह ने शनिवार को एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि सतेंद्र सिंह के मकान के पास स्थित तालाब में अधिक पानी भर जाने से मुख्य मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो गया है। इस रास्ते से प्रतिदिन स्कूली बच्चे, राहगीर और दोपहिया वाहन चालक गुजरते हैं, लेकिन पानी भरे होने के कारण गड्ढों में कई वाहन फंस जाते हैं और बाइक सवार गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता कई गांवों को जोड़ता है जलभराव के कारण रोजाना जाम जैसी स्थिति बन रही है और लोगों को मजबूरी में जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। मामले में एसडीएम ने समस्या निस्तारण के बीडीओ खेरागढ़ निर्देश दिए हैं।

सस्ती ब्याज दर पर किसानों को ऋण दे रही सरकार

सहकारी जागरूकता चौपाल में किसानों की गई जानकारी

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। केन्द्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह का सफल आयोजन किया गया। आयोजन में शनिवार को आगरा जिला सहकारी बैंक के प्रांगण में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम 'सहकारी जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि बैंक के अध्यक्ष प्रदीप भाटी जी उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में बैंक के उपाध्यक्ष पदम सिंह काका एवं अन्य प्रबन्ध समिति के संचालकगण, सचिव/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी वरूण यादव व समितियों के अध्यक्ष, सचिव व कृषक उपस्थित रहे।

सहकारी जागरूकता चौपाल' कार्यक्रम में बैंक के अध्यक्ष, अधिकारीगणों द्वारा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वावधान में संचालित सहकारिता की सभी योजनाओं के बारे में चर्चा की गई। किसानों को सहकारिता द्वारा चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे 3 प्रतिशत ब्याज दर पर केसीसी ऋण उपलब्ध कराना, पशुपालक एवं मत्स्य पालकों को ऋण की सुविधा तथा क्षेत्र के कृषकों को ग्रामीण सहकारी समितियों के माध्यम से समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना, जन औषधि केन्द्रों से सस्ती दवाओं का वितरण, गेहूँ कय केन्द्र, दलहन कय केन्द्र के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किये जाने के बारे में अवगत कराया। सहकारिता द्वारा पारदर्शिता / डिजिटलाइजेशन के कम में जनपद के बी-पैक्स में चलाये जा रहे कम्प्यूटरीकरण एवं जन सेवा केन्द्र के बारे में अवगत कराया।

गड्ढे में डूबकर 6 साल के मासूम की मौत, बिना पोस्टमार्टम अंतिम संस्कार

पिनाहट के आसाराम की ढारि में ईंट भट्टे के लिए खुदी मिट्टी का गड्ढा बना मौत का कुआं

● टीनएफ टुडे ●

पिनाहट (आगरा)। ईंट भट्टे पर मिट्टी बेचने के लिए घर के सामने खोदे गए गहरे गड्ढे में डूबने से 6 साल के बच्चे की मौत हो गई। शनिवार शाम घर के बाहर खेलते समय हुए हादसे के बाद स्वजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। थाना पिनाहट के गांव चंपाराम पुरा आसाराम की ढारि निवासी रामनिवास ने अपने खेत की मिट्टी ईंट भट्टे पर बेची थी। मिट्टी की खुदाई से घर के सामने करीब 5 फीट गहरा गड्ढा बन गया था। शनिवार शाम करीब 6 बजे रामनिवास का बेटा हितेश उम्र 6 वर्ष घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह गड्ढे में गिर गया। बारिश का पानी भरने से हितेश डूब गया। जब स्वजन ने हितेश का शव गड्ढे में उतराता देखा तो कोहराम मच गया। आनन-फानन में बच्चे को बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। स्वजन शव लेकर सीधे श्मशान पहुंच गए और बिना पुलिस सूचना व पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया। हितेश दो भाइयों में छोटा था। बड़े भाई का नाम दीपेश है। सूचना पर पिनाहट थाना प्रभारी वीपी गिरि मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्वजन शव का अंतिम संस्कार कर चुके थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ईंट भट्टा संचालक की भूमिका भी खंगाली जाएगी।

सीएचसी पर गंदगी देख भड़की उपजिलाधिकारी

● टीनएफ टुडे ●

फतेहाबाद। शनिवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया गंदगी देखकर फटकार लगाई गई सफाई के लिए निर्देश दिए गए, स्टॉक रजिस्टर की एंट्री में भी गड़बड़ी मिली। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा के द्वारा शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद का निरीक्षण किया गया। जहां सबसे पहले दवाओं के काउंटर का निरीक्षण किया और उसके बाद ओपीडी में गई और भर्ती मरीजों से उनके इलाज के बारे डॉक्टरों से जानकारी की गई ,उसके बाद कोल्ड चेन में पहुंची और वैक्सीन के रखरखाव ,रजिस्टर के बारे में जानकारी की उसके बाद ऑपरेशन थिएटर में पहुंची जहां गंदगी का अम्बार लगा हुआ था खुले में कॉटन सिरेन्ज सहित अन्य मेडीकल वेस्टेज पड़ा हुआ था जिसे देखकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और कहा है कि यहां पर मरीज आते हैं और उनको वायरस लगने का खतरा है इसलिए ऑपरेशन थिएटर को साफ-सुथरा रखा जाए। वहीं उसके बाद वह औषधि भंडार में पहुची जहां पर दवा के रखरखाव को लेकर सही व्यवस्था नहीं थी रजिस्टर में सही एंट्री नहीं लिखी गई थी जिसको लेकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और स्टॉक रजिस्टर को सही से मेंटेंन करने के आदेश दिए। वहीं उसके बाद उन्होंने शौचालय का निरीक्षण किया जहां गंदगी देखकर उन्होंने फटकार लगाई वहीं पानी के लिए बाल्टी या डिब्बे की व्यवस्था नहीं थी जिसकी व्यवस्था करने के निर्देश दिए आरबीएसके कक्ष सहित नए कक्ष का निरीक्षण किया उसमें भी गंदगी भरी हुई थी जहां वार्डों में बिछने वाली बेडशीट गन्दी पाई गई जिसको लेकर सफाई के निर्देश दिए हैं और कहा कि मरीजों के नीचे गन्दी बेडशीट होगी तो उन्हें वायरस लगने का खतरा बढ़ जाएगा। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा से बात करने पर बताया कि मेरे द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया था जहां गंदगी को लेकर सफाई के निर्देश दिए गए हैं तथा स्टॉक रजिस्टर के लेकर भी निर्देश दिए गए हैं 7 दिन के बाद पुनः निरीक्षण किया जाएगा देखा जाएगा की स्थिति में सुधार हुआ है कि नहीं।

सांप के काटने से युवती की उपचार के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

● टीनएफ टुडे ●

फतेहाबाद। थाना क्षेत्र के गांव रिहावली में शनिवार तड़के सांप के काटने से युवती की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव रिहावली निवासी मोनिका (20) पुत्री जगदीश शनिवार सुबह करीब 4 बजे अपने घर की छत पर सो रही थी। तभी बारिश शुरू होने पर वह नीचे जाकर कमरे में चारपाई पर लेट गई कपड़ों में बैठे सांप ने मोनिका की गर्दन में काट लिया। जिससे उसकी चीख निकल गई। तभी परिजन मौके पर पहुंचे तो कमरे में सांप रेंगता हुआ दिखाई दिया। तो ग्रामीणों ने सांप को मार दिया। और हालत बिगड़ने पर परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद लेकर पहुंचे। सीएचसी में चिकित्सकों ने युवती को एंटी-स्नेक वेनम सहित आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं होने पर उसे आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा में इलाज के दौरान मोनिका ने दम तोड़ दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। वहीं घटना की जानकारी परिजन ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं लोगों का कहना है कि जिस सांप ने मोनिका को से काटा है वह बहुत ही जहरीला होता है,वहीं सांप का करैत बताया जा रहा है।

नलकूप के ट्रांसफार्मर से सामान चोरी

पिनाहट ब्लॉक के गांव हुसैनपुरा में 3 जुलाई की रात हुई वारदात, खाली ढांचा खेत में पड़ा मिला

पिनाहट। पिनाहट ब्लॉक अंतर्गत गांव हुसैनपुरा पुरा गांव में चोरों ने किसान के निजी नलकूप पर लगे ट्रांसफार्मर को निशाना बनाया। चोर ट्रांसफार्मर का सामान निकालकर ले गए और खाली ढांचा खेत में ही छोड़ गए। किसान ने शुक्रवार को पिनाहट थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार हुसैनपुरा निवासी अनिल पुत्र राजेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवारिजन के नाम निजी नलकूप कनेक्शन है। 3 जुलाई की रात अज्ञात चोर नलकूप पर लगे ट्रांसफार्मर से सामान चोरी कर ले गए। गुरुवार सुबह जब किसान खेत पर पहुंचे तो ट्रांसफार्मर का खाली ढांचा जमीन पर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। अनिल ने थाने में तहरीर देकर चोरी का मुकदमा दर्ज करने और चोरों को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। वही एस डी ओ पिनाहट रवि प्रताप ने बताया ग्रामीणों द्वारा सूचना प्राप्त हुई है मौके पर टीम भेज कर जांच की जा रही है।

सहकारी जागरूकता चौपाल में किसानों को योजनाओं की दी जानकारी

सहकारिता सप्ताह के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम

किसान कल्याणकारी योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। केन्द्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह-2026 के अंतर्गत शनिवार को आगरा जिला सहकारी बैंक परिसर में ह्यसहकारी जागरूकता चौपालह्ल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं किसान कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आगरा जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रदीप भाटी रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में बैंक के उपाध्यक्ष पदम सिंह काका, प्रबंध समिति के संचालकगण, सचिव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी वरुण यादव, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, सचिव तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। चौपाल में बैंक के अध्यक्ष एवं अधिकारियों ने भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से संचालित सहकारिता योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए उपस्थित लोगों को जागरूक किया। किसानों को तीन प्रतिशत ब्याज दर पर केसीसी ऋण, पशुपालकों एवं मत्स्य पालकों के लिए ऋण सुविधा, ग्रामीण सहकारी समितियों के माध्यम से समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने सहित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाओं की उपलब्धता, गेहूं एवं दलहन क्रय केंद्रों के जरिए किसानों को मिलने वाले लाभों पर भी प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता और डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए बी-पैक्स समितियों में किए जा रहे कम्प्यूटरीकरण एवं जन सेवा केंद्रों की सुविधाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों से सहकारिता योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया गया।

हर बच्चा सरकारी विद्यालय अभियान के तहत भाकियू का जागरूकता अभियान

● टीनएफ टुडे ●

फतेहाबाद। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के हर बच्चा सरकारी विद्यालय अभियान के तहत शनिवार को ग्राम धौर्रा और नगरचंद अहीरपुरा के प्राथमिक विद्यालय में जन-जागरूकता बैठक हुई। इसमें अभिभावकों, शिक्षकों और संगठन के पदाधिकारियों ने सरकारी शिक्षा को सुदृढ़ बनाने पर खुलकर संवाद किया। बैठक में अभिभावकों ने बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य को लेकर चिंताएं जताईं। इस पर शिक्षकों ने आश्वस्त किया कि स्कूल में शिक्षा के स्तर को सुधारने के प्रयास जारी हैं, जिसमें अभिभावकों का सहयोग भी अनिवार्य है। प्रधानाचार्य संजीव यादव ने ग्रामीणों को विद्यालय परिसर का भ्रमण कराया। स्कूल में उपलब्ध स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी और अंतरिक्ष प्रयोगशाला जैसी आधुनिक कान्वेंट जैसी सुविधाएं देखकर अभिभावक गदगद हो गए। उन्होंने बच्चों को नियमित स्कूल भेजने का भरोसा दिया। भाकियू के जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल नामांकन बढ़ाना नहीं, बल्कि स्कूल और समाज के बीच विश्वास जगाना है। युवा तहसील अध्यक्ष जोगी गुर्जर ने अभियान को हर गांव तक ले जाने का संकल्प लिया। इस दौरान राहुल कुशवाह, रजनी सिन्हा, रामबरन वर्मा, जयप्रकाश यादव व निहाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए रजिस्ट्रेशन 31 तक

आगरा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने अवगत कराया है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन 31 जुलाई तक होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन भारत सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा सकता है। यह पुरस्कार बच्चों की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं असाधारण उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने हेतु प्रदान किया जाता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2026 की स्थिति में) के ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे, जिन्होंने वीरता, समाजसेवा, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं असाधारण योगदान दिया है, उनके नाम संबंधित पोर्टल पर ऑनलाइन नामांकित किए जा सकते हैं। उन्होंने जनपद के सभी पात्र बच्चों, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों एवं संबंधित विभागों से अपील की है कि अधिक से अधिक योग्य बच्चों का नामांकन निर्धारित समय सीमा के भीतर कराकर उन्हें इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान का लाभ दिलाने में सहयोग करें।

अंडर-18 वॉलीबॉल विश्व कप में आगरा के आप्रीतम ने बढ़ाया देश का मान

भारतीय टीम की कप्तानी संभाल रहे युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन से डेनमार्क पर जीत में निभाई अहम भूमिका

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। बाह तहसील के कवारी गांव के युवा वॉलीबॉल खिलाड़ी आप्रीतम भदौरिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगरा का नाम रोशन किया है। वह चीन में आयोजित अंडर-18 वॉलीबॉल विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने शुरूआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क पर यादगार जीत दर्ज की है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले चयनकताओं ने नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए आप्रीतम को टीम की कमान सौंपी थी। कप्तानी मिलने के बाद उन्होंने पहले ही मुकाबले में टीम को जीत दिलाकर अपने चयन को सही साबित किया। बाह तहसील से निकलकर भारतीय टीम की कप्तानी तक पहुंचने वाले आप्रीतम की उपलब्धि जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन गई है। लंबे समय बाद आगरा का कोई खिलाड़ी टीम खेल के विश्व कप स्तर पर भारतीय टीम की कप्तानी करता नजर आया है। उनके प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही जिले के खिलाड़ियों, कोच और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। आप्रीतम का परिवार भी खेल परंपरा से जुड़ा रहा है। उनके बाबा युवराज भदौरिया उत्तर प्रदेश पुलिस एवं भारतीय टीम के खिलाड़ी रहे हैं। उनके ताऊ स्वर्गीय अजीत भदौरिया अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। दूसरे ताऊ अजय भदौरिया राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी रहे हैं और डीएसपी पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके पिता अमित भदौरिया भी एथलेटिक्स के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं। जिला वॉलीबॉल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि आप्रीतम की सफलता यह साबित करती है कि आगरा के खिलाड़ियों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की क्षमता है। उनकी उपलब्धि पर इंडियन आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के महासचिव डॉ. बी.पी. सिंह, उत्तर प्रदेश पंजा कुश्ती संगठन के संरक्षक शंकर देव तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष अशोक पहलवान, असलम खान, जिला योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव रुपेश अग्रवाल, अरुण सिंह धनगर सहित अनेक खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया।

मैनपुरी में वृक्षारोपण अभियान की तैयारियां तेजः

12 से पहले गड्ढा खुदान और जियो टैगिंग के कड़े निर्देश

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिला वृक्षारोपण, पर्यावरण और गंगा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को आयोजित की गई, जिसमें आगामी वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। बैठक में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी शिवम मिश्रा ने सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए कि वे आगामी 12 जुलाई से पहले अपने निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार शत-प्रतिशत गड्ढा खुदान का कार्य पूरा कर वन विभाग को सूचित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभागों को पौध उठान के लिए नर्सरी आवंटित की जा चुकी है, इसलिए अभियान शुरू होने से पहले ही पौधों का उठान सुनिश्चित कर लिया जाए।

प्रभागीय निदेशक ने डिजिटल मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए कहा कि रोपित किए जाने वाले सभी पौधों की हरितिमा ऐप पर जियो टैग के माध्यम से फोटो अपलोड की जाए और जनपद की एन.आई.सी. द्वारा जनरेटेड क्यू-कोड पर भी इसकी जानकारी दर्ज होना अनिवार्य है। पौधों को लगाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा, पर्याप्त निराई और गुड़ाई के भी बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जिला पंचायतराज अधिकारी और क्षेत्रीय वनाधिकारियों को खंड विकास अधिकारियों के समन्वय से प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'ग्रीन चौपाल' का गठन करने और रोस्टर के अनुसार बैठकें आयोजित करने को कहा गया है।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। सोशल और मेडिकल वेस्ट के सही निस्तारण के लिए एम.आर.एफ. (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटरों को निरंतर क्रियाशील रखने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही जिन गांवों में ग्राम गंगा समितियों का गठन हो चुका है, वहां हर महीने बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। उप क्षेत्रीय वनाधिकारी राजीव दीक्षित द्वारा संचालित इस बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंता और खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

मैनपुरी में मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची प्रकाशित, आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित

मैनपुरी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मैनपुरी जिले में मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के भौतिक सत्यापन और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची तैयार कर ली गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्यामलता आनन्द ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सूची को सभी उप जिलाधिकारियों के कार्यालयों, जिला निर्वाचन कार्यालय और डी.ई.ओ. की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया है।

उन्होंने आम जनता और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे वेबसाइट पर जाकर इस सूची का अवलोकन कर सकते हैं, तथा यदि इस सूची के संबंध में किसी को कोई आपत्ति या सुझाव देना हो, तो वे एक सप्ताह के भीतर जिला निर्वाचन कार्यालय या संबंधित उप जिलाधिकारी कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

मैनपुरी में 11 जुलाई को होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन, तैयारियाँ शुरू

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आगामी 11 जुलाई को जिले में एक भव्य वैवाहिक समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लगभग 200 से अधिक जोड़े विवाह के बंधन में बंधेंगे। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु के साथ कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए धारऊ स्थित ए.आर. गार्डन और श्रीदेवी मेला ग्राम सुधार प्रदर्शनी का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों स्थलों का जायजा लेने के बाद जिलाधिकारी ने श्रीदेवी मेला क्षेत्र को इस आयोजन के लिए सबसे उपयुक्त स्थान के रूप में चुना।

जिलाधिकारी ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित तिथि से पहले पूरे मेला परिसर की व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस भव्य समारोह में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम दोनों ही रीति-रिवाजों से विवाह संपन्न कराए जाएंगे, जिसके लिए क्रमशः मंडप और मौलवियों की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। वर्षा के मौसम को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर वॉटरप्रूफ टेंट, साज-सज्जा और खान-पान के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, क्योंकि इस आयोजन में वर-वधू पक्ष सहित लगभग 4 से 5 हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है।

समारोह को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए चयनित जोड़ों को लाने-ले जाने, कार्यक्रम स्थल पर विवाह पंजीकरण के लिए पर्याप्त स्टॉल लगाने और सुरक्षा के लिए पुख्ता पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही वर-वधू को दी जाने वाली उपहार सामग्री के वितरण के लिए भी चाक-चौबंद व्यवस्था की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. शोभनाथ चौरसिया, उपायुक्त एन.आर.एल.एम. शौकत अली, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार मिश्र और अधिशासी अधिकारी बुद्धि प्रकाश सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

लाखों के आभूषण, नगदी ले जाने वाला शातिर डेढ़ माह बाद भी पुलिस पकड़ से दूर

पीड़ित ने एसएसपी से जल्द खुलासा की लगाई गुहार , हो रहे परेशान

टीएनएफ टुडे, शिकोहाबाद ।

थाना क्षेत्र के मोहल्ला कटरा मीरा स्थित शान वाली गली में किरायेदार के रूप में रहने वाले शातिर युवक द्वारा 22 मई की रात में गई लाखों की चोरी का अभी तक पुलिस पता नहीं लगा पाई है तथा पिछले डेढ़ माह का समय के बीत जाने के बाद भी शातिर युवक पुलिस पकड़ से दूर है । वहीं पीड़ित परिवार काफी दुखी नजर आ रहा है। परिवार की महिला ने एसएसपी से जल्द खुलासा करने तथा आरोपी की गिरफ्तारी की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस द्वारा पिछले दिनों पीड़ित परिवार से मिलकर कुछ जानकारी हासिल की थी। उस समय इन लोगों को उम्मीद जागी थी, लेकिन फिर ये उम्मीद नाउम्मीद में बदल चुकी है।

शिकोहाबाद के शान वाली गली कटरा मीरा निवासी मुरारीलाल गुप्ता के यहां अप्रैल माह में हिमांशु नामक युवक आया तथा छात्र बनकर किराए का रूम लिया था। बताया गया है कि उक्त शातिर युवक ने अप्रैल तथा मई माह में करीब 10 दिन ही घर में रुका होगा। हाथ में फ्रेक्चर की कहकर अपने घर गया उक्त युवक 15 मई को दुबारा लौटकर अपने कमरे पर आया था। 21 - 22 मई की मध्य रात्रि में वो अपना जन्म दिन की कहकर बाजार से लिए केक, कोल्ड ड्रिंक, मिष्ठान को कारोबारी तथा उनके बेटे विनय को खिलाया था, जिसके बाद सभी अचेत हो गए थे। इस दौरान घर में मकान के ठेकेदार को देने के लिए रखे 10 लाख रुपए , 5 तोले के सोने के आभूषण, चांदी के आभूषण के साथ ही अन्य सामान चोरी करके ले गया।

पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को दबोचने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे की जांच उस समय की थी, लेकिन 35 दिन बीतने के बात भी पुलिस अभी तक आरोपी शातिर तक नहीं पहुंच पाई है। महिला हेमलता का कहना है कि लाखों की चोरी होने के बाद अब पैसे की काफी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इधर पुलिस का कहना है कि घटना की जांच पड़ताल जारी है ।

करहल ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक आयोजित, विकास योजनाओं पर हुई

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी यादव ने सहभागिता की। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों का फूल-माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी यादव ने क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं ग्राम प्रधानों से विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग की अपील की।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बिल्लू यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ गुणवत्ता पूर्ण तरीके से कराया जाए, जिससे आम जनता को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

खंड विकास अधिकारी रुक्मणि वर्मा ने बैठक में ब्लॉक स्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, मनरेगा सहित अन्य विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए उनके प्रभावी संचालन पर चर्चा की।

बैठक में खंड विकास अधिकारी रुक्मणि वर्मा, अंजू राठौर, एडीओ भुवनेश कुमार, एडीओ पंचायत गौरव यादव, सचिव सुनील यादव, सचिव रवि यादव, शिवचंद बाबू, राकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी यादव, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बिल्लू यादव, जिला पंचायत सदस्य लालू यादव (बोझा), पूर्व प्रधान राजू चौहान, प्रधान रविन्द्र यादव, भुवनेश यादव, कुशल पाल, राहुल यादव, उमेश यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य शिवकुमार, समरपाल यादव, संजय प्रधान, राजेश प्रधान, कमलेश यादव, पूर्व प्रधान बृजनंदन यादव, मनोज बोझा, कपिल कुमार, अधिवक्ता अनिल यादव, प्रधान नीरज कुमार, राजकिशोर यादव, आशीष यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गैर इरादतन हत्या में दोषी को पांच साल आठ माह का कारावास

शिकोहाबाद। न्यायालय ने गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी को पांच साल और आठ माह के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। जिसे जमा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास काटना होगा। मामला लाइनपार थाना क्षेत्र के नगला विष्णु से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2010 में जिला एटा के नगर कोतवाली क्षेत्र निवासी पप्पू ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि सतीश यादव पुत्र रामप्रकाश निवासी ग्राम नगला कलू थाना बरनाहल जिला मैनपुरी ने उसके भाई महेश चंद्र की लोहे की रोड से प्रहार कर हत्या कर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। विवेचक ने जांच करने के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित कर दिया। मामले की सुनवाई एडीजे-07 श्यामबाबू के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों के बयान, साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी मानते हुए पांच साल आठ माह की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

परिजनों से नाराज युवक कूदा नहर में, शव बरामद कर पीएम को भेजा

शिकोहाबाद । घर में किसी बात पर हुई मामूली कहासुनी के बाद एक युवक नाराज होकर चला आया तथा भोगनीपुर ब्रांच नहर में शुक्रवार की देर शाम भूड़ा पुल के समीप कूद गया था । उसके बाद उनकी तलाश की जा रही थी। आज शनिवार को उसका शव स्टेशन रोड पुल के पास बरामद हो गया। युवक द्वारा उठाए गए आत्महत्या के कदम से परिवार में कोहराम मच गया है । इधर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है ।

जानकारी के मुताबिक राहुल कुमार पुत्र जितेंद्र कुमार निवासी आवास विकास कॉलोनी का शुकवार को परिवार में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी । इससे नाराज होकर युवक अपनी बाइक लेकर भूड़ा नहर पुल के पास पहुंचा। जहां उसने अपनी बाइक को खड़ा कर नहर में छलांग लगा दी । जब युवक काफी देर तक घर नहीं लौटा तो परिजनों को उसकी चिंता हुई। परिजनों ने उसकी खोजबीन की तो उसकी बाइक भूड़ा पुल के निकट नहर के किनारे खड़ी मिली। अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों ने युवक को खोजने के लिए प्रशासन से कहा तथा उसकी खोजबीन शुरू की गई। शनिवार को उसका शव स्टेशन स्थित नहर पुल के समीप नहर में तैरता मिला। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि युवक का परिजनों से विवाद होने की बात सामने आई है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष चेकिंग अभियान, 190 वाहनों के चालान

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। शनिवार को आयोजित इस अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर/यातायात) अरुण कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) जितेन कुमार सिंह, यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह और पीटीओ ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान चेकिंग टीम द्वारा सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई भी अमल में लाई गई।

इस विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस ने विशेष रूप से मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने वाले वाहनों पर सख्त रुख अपनाया। चेकिंग के दौरान कुल 190 वाहनों के चालान काटे गए। पुलिस और यातायात विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई में मौके पर 5,000 रुपये का नकद शमन शुल्क वसूला गया, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कुल 5,60,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

मिथिला खाद भण्डार पर विशाल किसान गोष्ठी का आयोजन, 500 से अधिक किसानों का हुआ सम्मान

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मिथिला खाद भण्डार पर शनिवार को भव्य किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक किसान भाइयों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विधायक प्रतिनिधि (भोगांव) अंकुर अग्निहोत्री ने सरकार द्वारा चलाई जा रही किसान ऋण योजना और किसान उन्मूलन योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया ताकि सभी किसान इनका लाभ उठा सकें।

गोष्ठी में पूर्व कृषि निदेशक अनिल कुमार पाठक ने आधुनिक युग में खेती के लिए एकीकृत पोषक तत्वों के प्रबन्धन की उपयोगिता बताते हुए किसानों से रासायनिक एवं जैविक खाद के समुचित उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

वहीं, जिला कृषि अधिकारी अविशांक सिंह चौहान ने किसानों को जिला कृषि केन्द्र पर उपलब्ध रबी व खरीफ के बीजों की जानकारी दी और नियंत्रित खाद उपयोग की अपील की।

विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा शुभम् गुप्ता ने बिना किसी रुकावट के खाद की सुचारू आपूर्ति के लिए मिथिला खाद भण्डार को बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में मिथिला खाद भण्डार के संरक्षक डॉ. अमित पाण्डेय ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद किया, जबकि प्रोपराइटर अंचित देवांश ने किसानों को जलपान व उपहार स्वरूप दराती देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिक और स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

किसान ऋण योजना और किसान उन्मूलन योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया ताकि सभी किसान इनका लाभ उठा सकें।

प्रधानमंत्री के मुख्य आतिथ्य में राजस्थान रिफाइनरी का हुआ उद्घाटन

प्रदेश स्तरीय रोजगार उत्सव के तहत धौलपुर में 863 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

टीएनएफ टुडे, धौलपुर।

प्रदेश में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में शनिवार को बालोतरा स्थित पचपदरा में प्रदेश स्तरीय राजस्थान रिफाइनरी, यमुना जल परियोजना, जयपुर मेट्रो फेज-2 तथा रोजगार उत्सव का भव्य आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्रदेश को 1 लाख 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए उनका शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण किया। साथ ही 50 हजार से अधिक युवाओं को विभिन्न विभागों में सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, और सरकार पारदर्शी व मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार के अवसर निरंतर बढ़ा रही है।

इसी क्रम में धौलपुर जिला मुख्यालय पर नगर परिषद टाउन हॉल में प्रातः 10 बजे जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से जोड़ा गया। साथ ही जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया, जिससे बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं अभिभावक इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने सहायक आचार्य भूगोल उपेन्द्र कुमार, वनस्पति शास्त्र नीरज कुमार, निरीक्षक ग्रेड द्वितीय शिवाशीष चाहर, आशु मीना, किरण मीना, व्याख्याता हिन्दी नीरज गिरी, सपना तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शिवांशु शर्मा सहित 863 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं किट प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का अवसर है।

ललूपुर इंटर कॉलेज में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत बच्चों को किया गया जागरूक, दिलाई शपथ

मैनपुरी। को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता के निर्देश पर प्रभारी जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी रवींद्र सिंह गौर ने एम.एस.बी.डी. जनता इंटर कॉलेज, ललूपुर, मैनपुरी का दौरा किया। उन्होंने कॉलेज के बच्चों के साथ विशेष संचारी रोग एवं दस्तक अभियान के संबंध में विस्तृत चर्चा की और बताया कि 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग सहित कुल एक दर्जन विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। इस दौरान बच्चों को डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया और सुरक्षित रहने के लिए सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम में प्रभारी जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए बताया कि डेंगू का मच्छर दिन के समय काटता है और यह रुके हुए साफ पानी में पनपता है। इससे बचाव के लिए उन्होंने सप्ताह में एक बार कूलर व गमलों की सफाई करने, पानी के बर्तनों को ढककर रखने, नल के पास जलभराव न होने देने और पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि डेंगू का संक्रमण काल जुलाई से नवंबर तक होता है, इसलिए सावधानी बेहद जरूरी है। बुखार होने पर किसी झोलाछाप के पास जाने के बजाय नजदीकी आयुष्मान केंद्र, प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में ही इलाज कराएं। इस अवसर पर मलेरिया इंस्पेक्टर विक्रेश यादव, प्रधानाचार्य उजागर सिंह, धीरेंद्र कुमार और विपिन कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

चौक बाजार में बारिश ने उधेड़ दी सड़क पर सिस्टम की इंजीनियरिंग

-प्लास्टिक कोटेड की बिछनी थी डेढ़ इंच की परत, बिछाई सिर्फ एक इंच की

- शुक्रवार की बारिश में चिथड़े-चिथड़े होकर उधड़ और उखड़ गई परत, दुकानों में भरा पानी
- आक्रोशित दुकानदारों ने मुख्य अभियंता को सुनाई खरी-खरी, मेयर और नगर आयुक्त से झड़प

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

शहर के घने और पुराने चौक बाजार में विकास के नाम पर सिस्टम ने दुकानदारों की आंखों में धूल झोंकी थी। चौक बाजार में पुराने पत्थरों की मजबूत सड़क पर प्लास्टिक कोटेड की डेढ़ इंच की परत बिछाई जानी थी लेकिन, बिछा दी गई सिर्फ एक इंच की। शुक्रवार को बरसात के ट्रेलर ने सिस्टम की इस अंधेरगर्दी की परतें उधेड़ दीं। पानी के तेज बहाव से सड़क पर बिछी प्लास्टिक कोटेड परत जगह-जगह से उधड़ और उखड़ गई। ये टुकड़े सड़क पर इस तरह से खड़े हो गए कि पानी इनसे टकराकर दुकानों में घुसने लगा। देखते ही देखते पूरा चौक बाजार पानी से तबाह हो गया। दुकानदारों का लाखों का नुकसान हो गया।

रात भर दुकानदार अपना सामान बचाने में जुटे रहे। शनिवार को दुकानदार आक्रोशित हो गए। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल और महामंत्री शशि भानु गर्ग भी पहुंच गए। नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान को बुलाया गया। पदाधिकारियों ने उन्हें खूब सुनाईं। चौक बाजार से स्वामी घाट तक के हालात दिखाए गए। इसके बाद सभी व्यापारी नगर निगम कार्यालय पहुंचे। यहां पर मेयर के कक्ष में नगर आयुक्त जग प्रवेश और अन्य अधिकारियों से बातचीत हुई। व्यापारियों ने बताया कि चौक बाजार का नजारा ऐसा हो गया है जैसे कि कोई दुर्गम पहाड़ी हो। सड़क से उधड़े और उखड़े टुकड़े पूरे आवागमन को रोक रहे हैं। सड़क की गुणवत्ता पर बात उठाई तो सिस्टम की अंधेरगर्दी सामने आ गई। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महामंत्री शशि भानु गर्ग के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर प्लास्टिक कोटेड की परत डेढ़ इंच की बिछाई जानी थी लेकिन बजट की कमी से एक इंच की परत ही बिछाई गई। इसकी पांच साल की गारंटी थी लेकिन दो साल में ही उखड़ गई। इस पर व्यापारी अचंभित रह गए। श्री गर्ग ने कहा कि चौक बाजार के दुकानदारों का लाखों का नुकसान हुआ है। उन्हें मुआवजा मिलना चाहिए।

ठेकेदार फिर बनवाएगा सड़क

बैठक के दौरान ही मेयर विनोद अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि चौक बाजार की सड़क को ठेकेदार फिर से बनवाएगा। इसके लिए आदेश जारी कर दिए गए। व्यापारियों को मुआवजा के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दर्जनों दोपहिया बह गए थे

शुक्रवार को टैट देने के लिए अभ्यर्थियों के परिजन भी आए थे। इनके दोपहिया वाहन वहां पर खड़े थे। बारिश में पानी के तेज बहाव में दर्जनों वाहन बह गए। स्वामी घाट पर लगे जाल में ये वाहन अटक गए। बारिश थमने के बाद इन वाहनों को निकाला गया।

यमुना में मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

वृंदावन। थाना मांट क्षेत्र के अंतर्गत केशीघाट स्थित पोंटून पुल के समीप यमुना नदी में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया।मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार वृन्दावन के गौरा नगर कॉलोनी निवासी राम प्रसाद ने यमुना नदी में एक शव देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पीआरवी को दी।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को नदी से बाहर निकाला। मिली जानकारी अनुसार युवक के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

आशंका जताई जा रही है कि किसी अन्य स्थान पर घटना को अंजाम देने के बाद शव को यहाँ फेंका गया हो सकता है। पुलिस इस मामले में साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रही है।

थाना मांट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है।फिलहाल पुलिस मामले की सघन जांच में जुटी है।

ब्रज में वजूद बनाए रखने को कुछ भी करेगा रालोद

राजेश मिश्रा।

- भाजपा अपनी जीती सीट पर अड़ी तो रालोद चलेगा एक फामूर्ला पर
- सिंबल तुम्हारा मगर कंडीडेट होगा हमारा
- पहला हक छाता और बल्देव सीट पर, मांट पर भी ठोंक सकता है दावा
- प्रीतम को यूं ही बनाया गया है रालोद का जिलाध्यक्ष, जिम्मेदारी अपेक्षित रही तो बाद में मिलेगा इनाम

मथुरा। विधानसभा चुनाव को लेकर शतरंजी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। मोहरे तलाशे जा रहे हैं। दावेदार परिक्रमा कर रहे हैं। सबसे ज्यादा कश्मकश राष्ट्रीय लोकदल और भाजपा में है। राजनीतिक मित्रता के चलते समर्थक पशोपेश में हैं। मौजूदा सभी सीटें भाजपा के कब्जे में हैं तो रालोद भी कुछ सीटों को अपनी विरासत मानती है। ऐसी सीटों पर अपना वजूद कायम करने के लिए रालोद कुछ भी करेगा।

रालोद प्रमुख जयंत चौधरी छाता सीट पर तैयारी करने का निर्देश पहले ही अपने कार्यकर्ताओं को दे चुके हैं। पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह पूरी तैयारी के साथ जुटे हुए हैं। यहां से भाजपा विधायक चौधरी लक्ष्मी नारायण योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। लक्ष्मी नारायण का सियासी वजूद इतना प्रभावी है कि भाजपा के लिए उन्हें नकारना असंभव है। यही स्थिति बल्देव सीट की है। रालोद इस सीट पर पूरी दावेदारी के साथ उतरेगी। वर्तमान में इस सीट पर भी भाजपा का कब्जा है और विधायक हैं पूरन प्रकाश। पूरन प्रकाश का भी सियासी वजूद प्रभावी है।

रालोद के सूत्र बताते हैं कि इन दोनों सीटों पर रालोद जरूर लड़ेगी। क्योंकि, इनके बगैर ब्रज में फिर रालोद का क्या वजूद रह जाएगा। भाजपा की जीती सीटों के तर्क का अड़ंगा देखते हुए रालोद एक फामूर्ले पर अपनी बात रखने का तैयारी में है। रालोद कह सकता है कि छाता सीट तो उसे चाहिए ही। बल्देव में भाजपा अपना सिंबल दे दे मगर कंडीडेट रालोद का ही हो। इसके लिए रालोद ने एक नाम भी लगभग तय कर लिया है। इससे भाजपा की संख्या बल पर असर भी नहीं पड़ेगा और राजनीतिक दोस्ती भी बरकरार रहेगी।

राजनीतिक जानकार कहते हैं कि छाता सीट पर एक रास्ता निकल सकता है। बढ़ती उम्र के कारण चौधरी लक्ष्मी नारायण को भाजपा शायद मैदान में न उतारे लेकिन, चौधरी साहब के व्यापक सियासी अनुभव को देखते हुए उन्हें किसी राज्य के राज्यपाल पद से सुशोभित किया जा सकता है। ऐसे में भाजपा के लिए भी कोई अड़चन नहीं आएगी और रालोद भी खुश हो जाएगा। राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा है कि बल्देव सीट पर रालोद अगर अड़ गया तो बल्देव सीट पर पूरन प्रकाश के लिए दिक्कत आ सकती है। मथुरा जिले में बल्देव के अलावा और कोई सुरक्षित सीट है भी नहीं। ऐसे में भाजपा उन्हें कहां और कैसे एडजस्ट कर सकती है, ये भाजपा को तय करना होगा। वैसे, रालोद की नजर मांट सीट पर भी है। यहां से जयंत चौधरी एक बार विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। वर्तमान में यहां से भाजपा विधायक राजेश चौधरी के संगठन में प्रदेश महामंत्री बनाए जाने के बाद तरह-तरह की अटकलें शुरू हो गई हैं।

पंचायत अध्यक्ष पर रालोद की निगाह

अब बात नवनियुक्त रालोद जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह की। अपनी स्वच्छ और बेदाग छवि के कारण राजनीतिक क्षेत्र में सर्वप्रिय माने जाने वाले प्रीतम सिंह के समर्थक उन्हें गोवर्धन सीट से चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे हैं। प्रीतम सिंह की प्रत्याशा हर दृष्टि से सटीक भी है। लेकिन, चुनाव के मैदान में किसी राजनीतिक दल का साया भी जरूरी है। रालोद की जिलाध्यक्षी के लिए हामी भर उन्होंने एक रास्ता निकाल भी लिया। लेकिन, भाजपा से गठबंधन को देखते हुए गोवर्धन सीट पर रालोद शायद ही दावा करे। रालोद सूत्र बताते हैं कि प्रीतम सिंह के जिलाध्यक्ष बन जाने से विधानसभा चुनाव में पूरे मथुरा में रालोद को लाभ पहुंचेगा। जहां तक प्रीतम सिंह की माननीय बनने की इच्छा का सवाल है तो रालोद विधानसभा चुनाव बाद उन्हें इनाम दे सकती है। अगर सब कुछ सही रहा। तो रालोद जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर दावा करेगी और ये कुर्सी होगी प्रीतम सिंह के लिए।

रूट निर्धारण के विरोध में ई-रिक्शा चालकों का प्रदर्शन, अवैध वसूली का लगाया आरोप

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

धर्मनगरी वृंदावन में शनिवार को ई-रिक्शा चालकों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन कर रहे चालकों ने आरोप लगाया कि रूट निर्धारण के नाम पर उनसे अवैध वसूली की जा रही है। उनका कहना है कि पूर्व में निर्धारित रूट नंबर-4 से हटाकर उन्हें रूट नंबर-4ए पर स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।

ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि रूट परिवर्तन से उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की कि पूर्व निर्धारित रूट को बहाल किया जाए और रूट निर्धारण के नाम पर की जा रही कथित अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए।

ई-रिक्शा चालक अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि बिना किसी स्पष्ट कारण के उन्हें पुराने रूट से हटाकर दूसरे रूट पर भेजा जा रहा है। इससे उनकी आय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। दुर्गेश कुमार रूहेला ने कहा कि चालक लंबे समय से निर्धारित रूट पर ही संचालन कर रहे थे, लेकिन अब अचानक रूट बदलने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे रवि ठाकुर, आनंद यादव, हरिओम सिंह, जितेंद्र पाठक, मोहित चतुवेर्दी, विक्रम शर्मा योगेश कुमार, नीरज विनोद, अनुराग ठाकुर, मनोहर सिंह, अनिल, नीरज, बल्लू चंद्र, आदि ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश का पहला नगर निगम जहां ऑटोमैटिक सिग्नलिंग और एनाउनेसमेंट सिस्टम से लैस होगी शहर की ट्रैफिक व्यवस्था

ऑटोमैटिक सिग्नलिंग और एनाउनेसमेंट सिस्टम से शहर बनेगा जाम मुक्त

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

अलीगढ़ शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं जाममुक्त बनाने के उद्देश्य से शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन तथा नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (कऌउउ) का संयुक्त निरीक्षण कर स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।अधिकारियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) आधारित स्मार्ट सर्विलांस, ऑटोमैटिक ट्रैफिक सिग्नल संचालन, हाई-रेजोल्यूशन कैमरों तथा ऑटोमैटिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक जाम कम करने की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया।

निरीक्षण के दौरान समीक्षा में शहर के प्रमुख सिग्नलयुक्त चौराहों पर ट्रैफिक लाइट अब पूर्व निर्धारित समय के बजाय वास्तविक यातायात दबाव के अनुसार संचालित होगी। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़े एआई आधारित कैमरे प्रत्येक दिशा में वाहनों एवं लोगों की संख्या का विश्लेषण करेंगे तथा उसी के अनुरूप ट्रैफिक सिग्नल का ग्रीन एवं रेड टाइम स्वतः कम या अधिक होगा। इससे अनावश्यक प्रतीक्षा समाप्त होगी तथा यातायात का प्रवाह लगातार बना रहेगा।

नगर आयुक्त ने बताया कि इस स्मार्ट व्यवस्था को प्रथम चरण अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) सर्किल पर लागू कर दिया गया है। आगामी चरण में मैरिस रोड, रामघाट रोड, केला नगर, सासनी गेट सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर भी इसे चरणबद्ध ढंग से लागू किया जाएगा।

जिलाधिकारी व एसएसपी को नगर आयुक्त ने अवगत कराया कि नगर निगम द्वारा ट्रैफिक सुधार अभियान के अंतर्गत प्रमुख बाजारों एवं मार्गों पर पीली पट्टी (येलो लाइन) अंकित कराई गई है तथा हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों को इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा गया है, जिससे यातायात की निगरानी की जा रही है।

नगर आयुक्त ने बताया कि जिन प्रमुख चौराहों पर अभी ट्रैफिक सिग्नल उपलब्ध नहीं हैं, उनका नगर निगम एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर आगामी 15 दिनों के भीतर नई ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली स्थापित कराई जाएगी।

- अलीगढ़ में सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी, एसएसपी व नगर आयुक्त ने किया मंथन

साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑटोमैटिक अनाउंसमेंट सिस्टम स्थापित किए जाने पर भी सहमति बनी, यह प्रणाली कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से संचालित होगी।

उन्होंने बताया कि यदि कोई वाहन, ई-रिक्शा, ठेला अथवा अन्य वाहन निर्धारित समय से अधिक देर तक चौराहे पर खड़ा रहता है तो सिस्टम स्वतः सार्वजनिक उद्घोषणा कर वाहन चालक को तत्काल वाहन हटाने का निर्देश देगा। निर्धारित समय तक वाहन न हटाने पर सिस्टम ट्रैफिक पुलिस को स्वतः सूचना प्रेषित करेगा, जिसके आधार पर आवश्यक प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए वाहन को हटाया जाएगा।

नगर आयुक्त ने बताया कि इस व्यवस्था को प्रथम चरण सूतमिल चौराहे पर लागू किया जा चुका है। पिछले लगभग 15 दिनों के अनुभव में पाया गया है कि जहां पूर्व में इस चौराहे पर सामान्यतः 15 से 20 मिनट तक जाम की स्थिति बनी रहती थी, वहीं वर्तमान में यह समय घटकर लगभग 2 से 3 मिनट रह गया है, जिससे आम नागरिकों को राहत मिली है।

जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि आधुनिक तकनीक का उद्देश्य केवल निगरानी करना नहीं बल्कि नागरिकों को बेहतर और सुगम यातायात उपलब्ध कराना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली से चौराहों पर अनावश्यक प्रतीक्षा कम होगी ईंधन की बचत होगी तथा शहर की यातायात व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने कहा कि स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन पुलिस और नगर निगम के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। तकनीक आधारित निगरानी से यातायात संचालन अधिक व्यवस्थित होगा तथा नियमों के पालन में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

अलीगढ़ अतिक्रमण रहित अभियान का महापौर और नगर आयुक्त ने किया शुभारंभ-दुकान दुकान जाकर महापौर नगर आयुक्त ने गुलाब देकर दुकानदारों से भरवाए संकल्प पत्र

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

अलीगढ़ को अतिक्रमण मुक्त बनने की दिशा में महापौर प्रशान्त सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के प्रयासों से बड़े शहरों की तरह अलीगढ़ में व्यवस्थित पार्किंग व सुगम ट्रैफिक व्यवस्था के लिए अलीगढ़ में भी पीली पट्टी के बाहर सामान, वाहन व धकेल खड़ा करना महंगा पड़ने जा रहा है।

शनिवार को रसलगंज निकट मलखान सिंह हॉस्पिटल से बारहद्वारी तक महापौर व नगर आयुक्त ने शहर में विभिन्न बाजारो व मार्गो में अतिक्रमण व ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनने के लिए अतिक्रमण रहित अलीगढ़ अभियान का शुभारंभ किया। अभियान अंतर्गत महापौर व नगर आयुक्त ने रसलगंज में पीली पट्टी खिंचवाने के साथ व्यापारियों से अतिक्रमण न करने के लिए संकल्प पत्र भरवाकर लिया व गुलाब भेंट कर नगर निगम के इस अभियान में सहयोग करने की अपील की।

रसलगंज से बारहद्वारी तक मे व्यवस्थित पार्किंग व अतिक्रमण मुक्ति के लिए महापौर व नगर आयुक्त ने शहरी क्षेत्र में इस अभियान का शुभारंभ करते हुए लोगो से अलीगढ़ को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि

शहर में स्वच्छता, अतिक्रमण एवं ब्यूटीफिकेशन कार्यों के आसपास पीली पट्टी के बाहर अवैध रूप से सामान रखकर ट्रैफिक बाधित करने वाले व्यक्तियों को अब कऌउउ के माध्यम से चिन्हित किया जाएगा। कऌउउ से प्राप्त साक्ष्यों (एविडेंस) के आधार पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सामान जब्त करने के साथ-साथ वैधानिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

नगर आयुक्त ने बताया कि बाजारो व मार्गो पर लगे कैमरों से अतिक्रमण, गंदगी की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई हो सकेगी साथ ही साथ अब नगर निगम की इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से शहर की हर पीली पट्टी की सीमा रेखा पर पैनी नजर भी रहेगी

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि शहर का हर कोना नगर निगम की परिधि में होगा, अतिक्रमण करने, गंदगी फैलाने, नियम तोड़ने, गलत पार्किंग करने वालो पर ठोस शिकंजा कसा जाएगा ताकि आम जनमानस को सुगम यातायात अतिक्रमण मुक्त स्वच्छ और सुंदर शहर में घूमने का आनंद मिल सके। इन कैमरों की मदद से ऑटोमेटिक कार्रवाई आई ट्रिपल सी के माध्यम से की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस पीली पट्टी की परिधि में ही धकेल, दुकान, पार्किंग और सामान को रखना होगा जो व्यक्ति नियम का पालन नहीं करेगा उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुरूप अलीगढ़ में सुगम यातायात व्यवस्था के लिए अतिक्रमण रहित अलीगढ़ अभियान को शुरू किया गया है इस अभियान के तहत नगर निगम हर बाजार व मार्ग पर अतिक्रमण करने वालो संकल्प पत्र भरवा रहा है संकल्प पत्र के जरिये अनुरोध करने के बाद भी अगर अगर कोई दुकानदार व व्यक्ति बार बार नगर निगम व ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो नगर निगम को अधिकार होगा उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई के क्रम में जुमार्ना, सामान जब्त व वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

महापौर प्रशान्त सिंघल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में अलीगढ़ को सभी नागरिकों व व्यापारियों के सहयोग से अतिक्रमण रहित बनने के लिए ये अभियान शुरू किया गया है इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देकर अलीगढ़ को स्वच्छ सुंदर व अतिक्रमण रहित बनाने का प्रयास नगर निगम करेंगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया रीबॉक के नए शोरूम का उद्घाटन

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

स्पोर्ट्स फुटवियर और लाइफस्टाइल ब्रांड रीबॉक ने मथुरा के कृष्णानगर में अपने नए शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। इस विशेष आउटलेट का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया।

उद्घाटन के पश्चात शोरूम का अवलोकन करते हुए किशन चौधरी ने कहा रीबॉक का यह नया स्टोर मथुरा ब्रजभूमि में स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली को नई ऊर्जा देगा। फिटनेस केवल शारीरिक मजबूती ही नहीं, बल्कि मानसिक कल्याण का भी आधार है। मुझे विश्वास है कि यह शोरूम क्षेत्र के लोगों को अपनी फिटनेस यात्रा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाएगा।

रीबॉक का यह नया शोरूम आधुनिक डिजाइन और ब्रांड के सिग्नेचर कलेक्शंस के साथ तैयार किया गया है। यहाँ ग्राहकों के लिए रनिंग, ट्रेनिंग और वॉकिंग श्रेणियों के विशेष उत्पाद उपलब्ध हैं। हाई-परफॉरमेंस एथलेटिक जूते और स्टाइलिश एक्टिववियर की व्यापक रेंज मौजूद है। फिटनेस से जुड़ी अन्य आवश्यक वस्तुएं भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई हैं।

शोरूम संचालकों ने मुख्य अतिथि किशन चौधरी का पटुका और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। संचालकों ने बताया कि उनकी प्राथमिकता युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाले स्पोर्ट्स उपकरण और परिधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी गणमान्य अतिथियों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि शोरूम क्षेत्रवासियों को बेहतरीन उत्पाद और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा।

महिला टी20 विश्व कपः

सातवीं बार चैंपियन बनने के लिए ऑस्ट्रेलिया को पलटना होगा इतिहास

एजेंसी, नई दिल्ली।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला रविवार को लंदन के ऐतिहासिक मैदान लॉर्ड्स में खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया को सातवीं बार चैंपियन बनने के लिए इतिहास पलटना होगा। इंग्लैंड आज तक टी20 विश्व कप इतिहास में अपने घर में खेलते हुए एक भी मैच नहीं हारा है। 2009 से लेकर 2026 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर अब तक कुल 11 मुकाबले खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है। ऑस्ट्रेलिया ने आठवीं बार फाइनल का टिकट हासिल किया है, तो इंग्लिश टीम पांचवीं बार फाइनल खेलने उतरेगी। टी20 विश्व कप 2026 में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है और छह मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई है। यही कहानी इंग्लैंड की भी रही है। नेट साइवर-ब्रंट की कप्तानी में मेजबान

टीम अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले तक पहुंची है। हालांकि, रविवार को किसी एक टीम के विजय रथ पर विराम लगना तय है।

क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 45 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 22 मैचों में जीत ऑस्ट्रेलिया के हाथ लगी है। वहीं, 20 मुकाबलों में बाजी इंग्लैंड ने मारी है। दो मुकाबले टाई रहे हैं, जबकि एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका है। आंकड़ों के अनुसार, दोनों टीमों के बीच खिताबी मुकाबले में भी कड़ी टक्कर होने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में बारिश होने की आशंका न के बराबर है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, लॉर्ड्स में मौसम पूरी तरह से साफ बने रहने की उम्मीद है और बारिश होने के चांस सिर्फ 5 प्रतिशत हैं। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉडः सोफी मोलिनक्स (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उपकप्तान), ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), निकोला कैरी, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहम।

इंग्लैंड का स्क्वॉडः नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, डैनी गिब्सन, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, लिंसी स्मिथ, इस्सी वोंग और डैनी व्याट-हॉज।

दूसरा टी20: भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है। इस मैच से वैभव सूर्यवंशी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज कर रहे हैं। टॉस जीतने के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा, "हम फिर से पहले बल्लेबाजी करेंगे। हमने एक बदलाव किया है। वैभव को संजू सैमसन की जगह टीम में मौका दिया गया है। आपने उसे पिछले कुछ महीनों में देखा है, और जिस तरह से वह बैटिंग कर रहा है, मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से स्क्वाड में रहने का हकदार है। वह ऐसा इंसान है जो बिल्कुल भी दबाव नहीं लेता। उसे अच्छी तरह पता है कि आने वाले मैचों में क्या होने वाला है। वह नेट्स में गेंदबाजों का सामना करता है। उससे पता चलता है कि वह किस तरह का खिलाड़ी है। भारतीय प्रतिभाओं को देखकर अच्छा लगता है।" इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा, "हम भी बल्लेबाजी करते। टीम चयन से खुश हूं। जॉफ टीम में वापस आ रहे हैं। वह हमारे लिए मजबूत खिलाड़ी हैं। टंग ने कमाल कर दिया है। वे दोनों बहुत स्किलफुल गेंदबाज हैं और उनकी स्लोअर गेंद बहुत अच्छी हैं। यॉर्कर भी अच्छी तरह से डाल सकते हैं। हमने वैभव पर थोड़ा होमवर्क किया है।" इस मैच से वैभव सूर्यवंशी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज कर रहे हैं। सूर्यवंशी ने सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है। सचिन ने 16 साल 205 दिन में डेब्यू किया था, वैभव ने 15 साल 99 दिन में डेब्यू किया है।

फीफा विश्व कप भारत से दूर, हमें अपना स्तर बहुत उठाना होगाः बाइचुंग भूटिया

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय फुटबॉल के पोस्टर बॉय रहे और टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने कहा है कि बढ़े हुए टूर्नामेंट की वजह से एशिया को मिले आठ सीधे क्वालिफिकेशन स्पॉट के बावजूद भारतीय फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप में क्वालीफाई करने से दूर है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अभी भी महाद्वीप के बड़े देशों से मुकाबला करने के लिए बहुत कुछ करना है। जी5 फीफा विश्व कप 2026 में मीडिया पैनल के एक्सपर्ट बाइचुंग भूटिया ने आईएएनएस से खास बातचीत की और मौजूदा विश्व कप से साथ ही भारतीय फुटबॉल से जुड़े सवालों का जवाब दिया।

सवालः फीफा विश्व कप ने एक बार फिर एशियाई टीमों की तरक्की को दिखाया है। आपको क्या लगता है कि पिछले दस सालों में एशियाई फुटबॉल में क्या बदलाव आया है? जापान, दक्षिण कोरिया और यहां तक कि उज्बेकिस्तान जैसे देशों की तुलना में भारत अभी कहां खड़ा है?

जवाबः मुझे लगता है कि इस साल एशियाई देशों में, कोटा की संख्या 4 से बढ़ाकर 8 टीमों की कर दी गई है, जो एक बहुत अच्छा संकेत है। लेकिन भारत अभी भी उस 8 कोटे के अंदर क्वालीफाई करने के मामले में काफी दूर है। अगर आप एशियाई देशों द्वारा खेले गए फुटबॉल के स्तर को देखें, तो यह बहुत प्रभावशाली था।

फीफा विश्व कप 2026 कौन जीतेगा?

मुझे लगता है कि कुछ टीमें जो सच में बहुत मजबूत दिखती हैं, वे फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड और अर्जेंटीना हैं। ये चारों बहुत, बहुत मजबूत हैं। अगर मुझे किसी एक को चुनना हो, तो मुझे लगता है कि फ्रांस इस समय पसंदीदा है। अगर आप टीम का ओवरऑल संतुलन, गहराई और उनके पास जिस तरह की बेंच स्ट्रेंथ और लाइन-अप है, उसे देखें, तो मुझे लगता है कि वे निश्चित रूप से बहुत मजबूत दिखते हैं।

मुझे लगता है कि हर टीम ने एक गोल किया, हर टीम को इस वर्ल्ड कप से एक पॉइंट मिला है। भारत को बहुत मेहनत करनी होगी और बहुत सारी चुनौतियां होंगी। हमें उस स्तर तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी।

मनोरंजन

क्या महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल जगह है बॉलीवुड? कृति सेनन ने रखी राय

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को अक्सर उनके साथी अभिनेताओं से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने की चुनौतियों के बारे में भी बात की है।

सबसे कठिन बॉलीवुड

लिली सिंह के साथ बातचीत में कृति ने बताया कि उन्होंने मॉडलिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। वह जिन भी फील्ड्स का हिस्सा रही हैं, उनमें से बॉलीवुड ही वह जगह है जहां उन्हें सबसे ज्यादा चैलेंज का सामना करना पड़ा है। उन्होंने याद किया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो महिलाओं के लिए आज की तुलना में बहुत कम मौके थे।

लिंग के आधार पर है भेदभाव

कृति के मुताबिक, उस समय कई फिल्में मेल हीरो के आस-पास होती थीं, जिनमें अभिनेत्रियों को अक्सर सिर्फ रोमांटिक इंटरेस्ट के तौर पर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री धीरे-धीरे बड़ी हुई है, अब महिलाओं के लिए बेहतर लिखे गए रोल बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव अभी भी कई तरह से मौजूद है।

अभिनेत्रियों को किया जाता है जज

कृति ने फिल्म सेट पर मेल और फीमेल एक्टर्स पर लागू होने वाले अलग-अलग स्टैंडर्ड्स के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह अपने कैरेक्टर और सीन के बारे में सवाल पूछने के लिए जानी जाती हैं। मगर जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अक्सर मुश्किल या बहुत ज्यादा सवाल पूछने वाली समझा जाता है।

कृति सेनन की हालिया रिलीज

कृति सेनन हाल ही में 'कॉकटेल 2' में नजर आई हैं। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में थे। फिल्म को आलोचकों से मिले-जुले रिव्यू मिले। इसने बॉक्स ऑफिस पर दुनिया भर में लगभग 137 करोड़ रुपये कमाए। कृति ने अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

कॉन्सर्ट में कैटी पेरी का अनोखा अंदाज, ऑरलैंडो ब्लूम पर तंज की अटकलें तेज

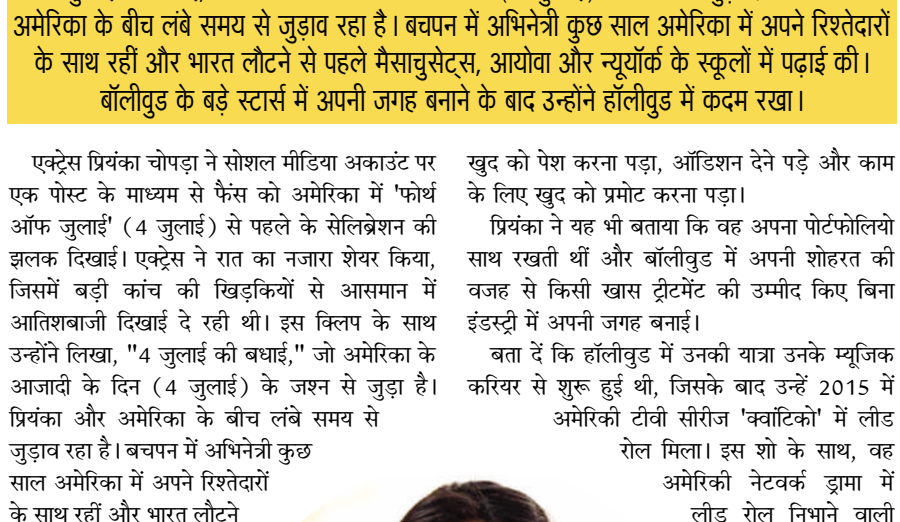

हॉलीवुड की मशहूर गायिका और गीतकार कैटी पेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा उनकी नई परफॉर्मेंस को लेकर हो रही है, जिसे कई लोग उनके पूर्व मंगेतर ऑरलैंडो ब्लूम पर किया गया एक तंज मान रहे हैं। यह मामला स्पेन के सैंटियागो डी कॉम्पोस्टेला में आयोजित प्रसिद्ध 'ओ सोन डो कैमिनो' का है। कैटी पेरी यहां मुख्य कलाकार के रूप में प्रस्तुति दे रही थीं। अपने 2020 के हिट गाने 'नेवर रियली ओवर' की परफॉर्मेंस के दौरान मंच पर एक विशाल आईफोन ग्राफिक दिखाया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस ग्राफिक में कैटी पेरी के कई कथित रिश्तों से जुड़े लोगों के नाम या उनके शुरूआती अक्षर दिखाई दिए। इनमें डीजे डिप्लो, संगीतकार जॉन मेयर के शुरूआती अक्षर, पूर्व पति रसेल ब्रांड और ऑरलैंडो ब्लूम का नाम शामिल था। स्क्रीन पर ऐसा दिखाया गया मानो इन सभी की कॉल कैटी पेरी को आ रही हो।

दिलचस्प बात यह रही कि कैटी ने इन सभी कॉल्स को नजरअंदाज कर दिया। बाद में उन्होंने एक कॉल रिसीव की, जिस पर 'जेपीजेटी' लिखा हुआ था। इसे कई लोगों ने जस्टिन ट्रूडो के पूरे नाम 'जस्टिन पियरे जेम्स ट्रूडो' के शुरूआती अक्षरों से जोड़कर देखा।

इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी। कई प्रशंसकों ने इसे कैटी पेरी के पुराने रिश्तों और उनके नए रिश्ते की ओर इशारा करने वाला मजाकिया अंदाज बताया। हालांकि, कैटी पेरी ने मंच से इस बारे में कोई सीधी टिप्पणी नहीं की।

कैटी पेरी और ऑरलैंडो ब्लूम पहली बार 2016 में गोल्डन ग्लोब्स की एक आफ्टर पार्टी में मिले थे। 2017 में दोनों कुछ समय के लिए अलग हुए, लेकिन 2018 में फिर साथ आए और 2019 में वैलेंटाइन डे पर सगाई कर ली। अगस्त 2020 में उनकी बेटी डेजी डव का जन्म हुआ। करीब एक दशक तक साथ रहने के बाद जून 2025 में दोनों के अलग होने की खबरें सामने आईं। अलगाव के बावजूद, दोनों अपनी बेटी की संयुक्त रूप से परवरिश कर रहे हैं। ऑरलैंडो ब्लूम को फिल्मों 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' में लेगोलास और पाइरेट्स ऑफ द कैरीबीन्स में विल टर्नर के किरदार के लिए जाना जाता है। उनकी पूर्व पत्नी मिरांडा केर से एक बेटा फ्लिन भी है। वहीं, ऑरलैंडो ब्लूम से पहले कैटी पेरी की शादी 2010 से 2012 तक रसेल ब्रांड से रही थी। इसके बाद 2012 से 2015 के बीच उनका जॉन मेयर के साथ भी रिश्ता रहा। पिछले वर्ष डिप्लो ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि वह और कैटी एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं।

जुलाई 2025 से कैटी पेरी और जस्टिन ट्रूडो के रिश्ते को लेकर भी लगातार चचाएं होती रही हैं, जिसके बाद अब उनकी इस नई स्टेज परफॉर्मेंस ने एक बार फिर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में आतिशबाजी के जश्न की तस्वीरें शेयर कीं

''4 जुलाई की बधाई," जो अमेरिका के आजादी के दिन (4 जुलाई) के जश्न से जुड़ा है। प्रियंका और अमेरिका के बीच लंबे समय से जुड़ाव रहा है। बचपन में अभिनेत्री कुछ साल अमेरिका में अपने रिश्तेदारों के साथ रहीं और भारत लौटने से पहले मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। बॉलीवुड के बड़े स्टार्स में अपनी जगह बनाने के बाद उन्होंने हॉलीवुड में कदम रखा।

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से फैंस को अमेरिका में 'फोर्थ ऑफ जुलाई' (4 जुलाई) से पहले के सेलिब्रेशन की झलक दिखाई। एक्ट्रेस ने रात का नजारा शेयर किया, जिसमें बड़ी कांच की खिड़कियों से आसमान में आतिशबाजी दिखाई दे रही थी। इस क्लिप के साथ उन्होंने लिखा, "4 जुलाई की बधाई," जो अमेरिका के आजादी के दिन (4 जुलाई) के जश्न से जुड़ा है। प्रियंका और अमेरिका के बीच लंबे समय से जुड़ाव रहा है। बचपन में अभिनेत्री कुछ साल अमेरिका में अपने रिश्तेदारों के साथ रहीं और भारत लौटने से पहले मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। बॉलीवुड के बड़े स्टार्स में अपनी जगह बनाने के बाद उन्होंने हॉलीवुड में कदम रखा।

अभिनेत्री ने अक्सर कहा कि उन्हें घर पर मिली बड़ी कामयाबी के बावजूद हॉलीवुड में अपनी यात्रा नए सिरे से शुरू करने में कोई हिचकिचाहट नहीं थी। कई इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी नए कलाकार की तरह कास्टिंग प्रोफेशनल्स के सामने खुद को पेश करना पड़ा, ऑडिशन देने पड़े और काम के लिए खुद को प्रमोट करना पड़ा।

प्रियंका ने यह भी बताया कि वह अपना पोर्टफोलियो साथ रखती थीं और बॉलीवुड में अपनी शोहरत की वजह से किसी खास ट्रीटमेंट की उम्मीद किए बिना इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई।

बता दें कि हॉलीवुड में उनकी यात्रा उनके म्यूजिक करियर से शुरू हुई थी, जिसके बाद उन्हें 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज 'क्वांटिको' में लीड रोल मिला। इस शो के साथ, वह अमेरिकी नेटवर्क ड्रामा में लीड रोल निभाने वाली पहली साउथ एशियन एक्ट्रेस बनीं।

इसके बाद प्रियंका ने 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', 'सिटाडेल', 'लव अगेन' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया।

पर्सनल जिंदगी की बात करें तो प्रियंका ने अमेरिकी सिंगर-एक्टर निक जोनस से शादी की है और दोनों की एक बेटी है, जिसका नाम मालती मैरी है।

स्कॉटलैंड की वादियों में खोईं निकिता दत्ता, शेयर की खूबसूरत तस्वीरें और अनुभव

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने 'पोस्टकार्ड्स फ्रॉम स्कॉटलैंड' के अपने खूबसूरत अनुभवों की झलकियां साझा की हैं। निकिता ने इंस्टाग्राम पर स्कॉटलैंड की खूबसूरती और प्राकृतिक नजारों को दिखाने वाली शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कई तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें कैप्शन दिया "स्कॉटलैंड से पोस्टकार्ड्स"। इन तस्वीरों में निकिता दत्ता खूबसूरत नजारों के बीच अलग-अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को उन्होंने स्कॉटलैंड के खूबसूरत ग्रामीण इलाके का एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि कैसे स्कॉटलैंड की यात्रा के दौरान छिपी हुई खूबसूरत जगहों की तलाश में थोड़ा आगे जाने पर वह भेड़ों के झुंड के बीच पहुंच गईं। क्लिप में उन्हें हरे-भरे पहाड़ों और खुले मैदानों में हाइकिंग करते हुए देखा गया। अपनी यात्रा के दौरान उन्हें पहाड़ियों पर शांति से चरती हुई भेड़ों का एक पूरा झुंड दिखाई दिया।

कैप्शन में उन्होंने लिखा, "स्कॉटलैंड में कुछ अनछुए छिपे हुए खूबसूरत नजारों की तलाश में मैं थोड़ी ज्यादा ही मेहनत कर बैठी और भेड़ों से भरे इस मैदान पर पहुंच गई। 'बनेट स्टेन' नाम की चट्टान भले ही सिर्फ एक फोटो लेने की जगह थी, लेकिन यहां तक कि छोटी सी चढ़ाई सबसे मजेदार थी।"

निकिता को यात्रा करना बहुत पसंद है, वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की मजेदार और दिलचस्प झलकियां साझा करती हैं। वह नियमित रूप से अपने फिटनेस रूटीन और आउटडोर एडवेंचर्स के बारे में भी अपडेट देती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने गहन योगा सेशन की एक झलक दिखाई थी।

पेशेवर जीवन की बात करें तो, निकिता दत्ता ने टेलीविजन में अपने करियर की शुरूआत ह्लड्रीम गर्ल झ एक लड़की दीवानी सीह्व और ह्लएक दूजे के वास्तेह्व जैसे शो से की।

बाद में, उन्होंने फिल्मों में भी सफलता हासिल की और 'कबीर सिंह', 'द बिग बुल', 'डिब्बुक', 'रॉकेट गैंग' और 'ज्वेल थीफ' जैसी फिल्मों में नजर आईं।

उन्होंने मराठी सिनेमा में फिल्म "घरत गणपत" में भी काम किया है।